।। श्री अग्रसेन जयते ।।

महाराजा अग्रसेन धाम का मुखपत्र

अग्रकिरण

- गर्ग
- गोयल
- जिंदल
- बंसल
- मित्तल
- मंगल
- ऐरन
- मधुकुल
- कच्छल
- तिंगल
- बिंदल
- तायल
- सिंघल
- नांगल
- भंदल
- धारण
- कंसल
- गोयन

2025-2026

महाराजा अग्रसेन धाम में शीघ्र ही अग्रकुल देवी माँ लक्ष्मी
का मंदिर अपने भव्य स्वरुप में साकार होने जा रहा है।

महाराजा अग्रसेन

महाराजा अग्रसेन जी भारतीय इतिहास के उन महान राजाओं में से एक हैं, जिन्होंने समाज में समानता, उद्यमशीलता और परोपकार की भावना को स्थापित किया। भगवान श्रीराम के वंशज में, उन्होंने लगभग 5300 वर्ष पूर्व अश्विन शुक्ल एकम को जन्म लिया था। हम प्रत्येक वर्ष इसी दिन उनका जन्मोत्सव मनाते हैं। महाराजा अग्रसेन ने अपने जीवन में एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए क्षत्रिय धर्म को त्याग दिया और वैश्य धर्म को अपनाया।

महाराजा अग्रसेन ने घोर तपस्या की, तब माता लक्ष्मी ने उन्हें दर्शन दिए और वरदान दिया कि उनकी संतानें समृद्ध और धन-धान्य से परिपूर्ण रहेंगी। इसी कारण, उन्होंने अपने राज्य में व्यापार और सेवा को प्राथमिकता दी और अपनी प्रजा को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने "एक ईंट, एक सिक्का" की नीति की शुरुआत की, जिसके तहत प्रत्येक नए परिवार को बसने के लिए एक ईंट घर बनाने के लिए और एक सिक्का व्यवसाय शुरू करने के लिए दिया जाता था। यह नीति उनके समाजवाद और परोपकार के दृष्टिकोण को दर्शाती है, जो आज भी अग्रवाल समाज की पहचान बनी हुई है।

महाराजा अग्रसेन केवल अग्रवाल समाज के ही नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने एक ऐसे समाज की नींव रखी जो समानता, भाईचारे और आर्थिक स्वतंत्रता पर आधारित था। आज भी उनके सिद्धांत शिक्षा, चिकित्सा, व्यापार और समाज सेवा के क्षेत्र में लोगों को प्रेरित करते हैं। उनके आदर्श हमें यह सिखाते हैं कि एक सशक्त समाज की नींव परोपकार, समानता और उद्यमशीलता पर आधारित होनी चाहिए। महाराजा अग्रसेन जी की शिक्षाएँ हमें सदैव प्रेरित करती रहेंगी कि हम भी समाज में एक सकारात्मक बदलाव लाने के लिए कार्यरत रहें।

परिचय

महाराजा अग्रसेन धाम पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले के बागनान में स्थित है। यह धाम 300 बीघा भूमि पर निर्मित हो रहा है। महाराजा अग्रसेन जी के आदर्शों और सिद्धांतों से प्रेरित होकर कोलकाता के समस्त अग्रवाल समाज ने अग्रसेन धाम के निर्माण का संकल्प लिया और समस्त अग्रवाल समाज ने महाराजा अग्रसेन धाम के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

महाराजा अग्रसेन जी समाज उत्थान के लिए प्रसिद्ध हैं, इसलिए अग्रसेन धाम का उद्देश्य भी समाज उत्थान ही है। इस धाम के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशिक्षण, स्व-रोजगार और सांस्कृतिक सेवाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है। महाराजा अग्रसेन धाम न केवल लोगों के लिए एक धार्मिक स्थल है, बल्कि यह युवाओं और समाज के लिए एक नई प्रेरणा का केंद्र भी है।

महाराजा अग्रसेन अपने समय के एक आदर्श पुरुष और श्रेष्ठ राष्ट्रनायक थे, जिन्होंने क्षत्रिय धर्म का त्याग कर वैश्य धर्म को अपनाया। वे न केवल अग्रवंश के लिए बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए भी प्रेरणा के स्रोत हैं। समाज का एक बड़ा वर्ग महाराजा अग्रसेन के इन स्वर्णिम आदर्शों से अनभिज्ञ है, इन्हीं विचारों ने हमें अग्रसेन धाम की स्थापना की प्रेरणा दी ताकि लोग अग्र संस्कृति को और अधिक गहराई से समझ सकें।

ज्ञात इतिहास में, मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के बाद, महाराजा अग्रसेन ने सुदृढ़ लोकतांत्रिक शासन, आदर्श परिवार व्यवस्था, समाजवाद की स्थापना, आत्मोन्नति के लिए अहिंसा, तथा सत्य और सौहार्द के साथ सुव्यवस्थित वैवाहिक जीवन की परंपरा शुरू की। उन्हीं परंपराओं और आदर्शों को आगे बढ़ाते हुए, उनके वंशजों ने समाज उत्थान के लिए अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए, जैसे कि विद्यालय, महाविद्यालय, अस्पताल, पुस्तकालय, मंदिर और औषधालयों की स्थापना।

प्रवेश द्वार

ऊँचाई से नज़र आने वाला महाराजा अग्रसेन धाम,
मानो धरती पर विराजमान एक दिव्य तीर्थस्थल हो।

निस्वार्थ भाव से की गई सेवा ही सच्चे धर्म
का स्वरुप है।

माननीय ट्रस्टियों, सहयोगियों, सदस्यों एवं शुभचिंतकों,

हर्ष एवं गर्व के साथ हम आपके समक्ष “अग्रकिरण” का वार्षिक अंक — वर्ष 2025-26 — प्रस्तुत कर रहे हैं। यह अंक केवल बीते वर्ष की गतिविधियों का संकलन नहीं, बल्कि महाराजा अग्रसेन धाम की सेवा, संस्कार, समर्पण और सामाजिक एकता की सतत यात्रा का सजीव प्रतिबिंब है।

बीते वर्ष के दौरान धाम में अनेक धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सफल आयोजन हुआ। महालक्ष्मी मंगल पाठ, विभिन्न पर्व-उत्सवों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं सामुदायिक आयोजनों ने समाज के सभी वर्गों—वरिष्ठों, महिलाओं एवं युवाओं—को एक सूत्र में जोड़ने का कार्य किया। इन कार्यक्रमों में आप सभी की सक्रिय सहभागिता ने धाम परिवार की एकता, ऊर्जा और उत्साह को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाया।

धाम के मेडिकल सेंटर द्वारा वर्षभर निरंतर स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की गईं। निःशुल्क जाँच, विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श एवं नियमित नेत्र ऑपरेशन शिविरों के माध्यम से सैकड़ों जरूरतमंदों के जीवन में नई रोशनी और आशा का संचार हुआ। यह सेवा अभियान हमारी मूल भावना—“समाज सेवा ही सर्वोपरि”—को निरंतर सुदृढ़ करता रहा। इस वर्ष आयोजित “अग्र गौरव सम्मान समारोह” हमारे लिए विशेष गर्व का विषय रहा, जिसमें समाज एवं राष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया। साथ ही, समाज सेवा के प्रति समर्पित स्व. बासुदेव जी टिकमानी को “अग्र रत्न सम्मान” प्रदान कर उनके अतुलनीय योगदान को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इसके साथ ही, इस वर्ष हमने अपने एक अत्यंत सम्माननीय एवं वरिष्ठ सदस्य, हमारे कोषाध्यक्ष स्व. श्याम सुंदर अग्रवाल जी को खो दिया। उनका योगदान, समर्पण और मार्गदर्शन सदैव हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा। हम उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

समाज में आपसी स्नेह, सौहार्द और जुड़ाव को बढ़ावा देने हेतु आयोजित सामूहिक पिकनिक, मिलन समारोह एवं अन्य सामाजिक कार्यक्रम अत्यंत सफल रहे। इन आयोजनों ने सदस्यों के बीच संबंधों को और सुदृढ़ किया तथा एक संगठित एवं सशक्त समाज की भावना को और प्रगाढ़ बनाया।

महाराजा अग्रसेन धाम सदैव सेवा, शिक्षा एवं संस्कार के पथ पर अग्रसर रहा है और भविष्य में भी इसी संकल्प के साथ समाज के उत्थान हेतु कार्य करता रहेगा। हमें पूर्ण विश्वास है कि आप सभी का स्नेह, सहयोग एवं मार्गदर्शन आगे भी इसी प्रकार प्राप्त होता रहेगा।

आपके अटूट विश्वास और निरंतर सहयोग के लिए हम हृदय से कृतज्ञ हैं।

ओम जालान
अध्यक्ष
महाराजा अग्रसेन धाम

अग्रसेन महाराज की जय !

सभी को मेरा राम राम !

महाराजा अग्रसेन धाम की वार्षिक पत्रिका "अग्रकिरण" का यह विशेष अंक आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष और गर्व का अनुभव हो रहा है। यह पत्रिका वर्ष 2025–26 के दौरान धाम द्वारा आयोजित विविध सेवा गतिविधियों, सामाजिक पहलों और सामूहिक प्रयासों की एक सजीव झलक प्रस्तुत करती है।

वर्ष 2025–26 धाम के लिए उपलब्धियों, नवाचारों और निरंतर प्रगति का वर्ष रहा। इस वर्ष की विशेषता यह रही कि धाम द्वारा निर्धारित वार्षिक कैलेंडर के अनुसार सभी कार्यक्रम समयबद्ध, सुव्यवस्थित एवं अत्यंत सफलतापूर्वक सम्पन्न किए गए। प्रत्येक माह आयोजित गतिविधियों ने समाज के विभिन्न वर्गों को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया और सेवा एवं संस्कार की भावना को और अधिक सशक्त किया।

इस वर्ष धाम ने अपने नियमित सेवा कार्यों—मेडिकल सेंटर, दिव्यांग सेवा केंद्र, मनोविकास केंद्र एवं स्किल डेवलपमेंट सेंटर—के माध्यम से समाज के अनेक लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य निरंतर जारी रखा।

हमें विशेष प्रसन्नता है कि इस वर्ष धाम द्वारा दो महत्वपूर्ण और दूरदर्शी पहलों का शुभारंभ किया गया— **"Maharaja Agrasain UPSC Academy"**, जो युवाओं को उच्च स्तरीय मार्गदर्शन प्रदान कर उन्हें राष्ट्र सेवा के लिए तैयार करेगी, तथा **"गठबंधन"** – Agarwal Matrimony Platform, जो विशेष रूप से अग्रवाल समाज के युवाओं के लिए एक सशक्त एवं विश्वसनीय मंच के रूप में स्थापित किया गया है।

इसके साथ ही, इस वर्ष **महिला समिति (ladies wing)** की सक्रियता और सहभागिता विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। महिला शक्ति ने न केवल विभिन्न कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, बल्कि अपने प्रथम भव्य आयोजन **"सुरंगो सावन"** के माध्यम से उत्सव, संस्कृति और एकजुटता का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया। धार्मिक गतिविधियों की बात करें तो इस वर्ष 9 **महालक्ष्मी मंगल पाठ** सफलतापूर्वक आयोजित किए गए, जिनमें समाज के अनेक परिवारों ने श्रद्धा एवं भक्ति के साथ भाग लिया। इन आयोजनों ने समाज में आध्यात्मिक ऊर्जा और एकता की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया।

यह वर्ष केवल गतिविधियों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि नई योजनाओं और भविष्य की दिशा तय करने का भी वर्ष रहा। हमें यह बताते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि **"वरिष्ठ निकेत"** का कार्य शीघ्र ही पूर्ण होने जा रहा है, जो हमारे वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक महत्वपूर्ण एवं स्नेहपूर्ण पहल सिद्ध होगा। इसके अतिरिक्त, यह वार्षिक पत्रिका **"अग्रकिरण"** एक बार पुनः आपके समक्ष प्रस्तुत है, जिसमें वर्षभर की सभी गतिविधियों को समयानुसार संकलित किया गया है।

मैं इस अवसर पर धाम के पूर्व कोषाध्यक्ष स्वर्गीय श्री श्याम सुंदर अग्रवाल जी के अमूल्य योगदान को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। उनकी सेवा, समर्पण एवं दूरदर्शिता सदैव हमारे लिए प्रेरणास्रोत रहेगी।
अंत में, मैं सभी माननीय ट्रस्टियों, सदस्यों, महिला समिति, युवा साथियों एवं समस्त शुभचिंतकों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके सहयोग, विश्वास और समर्पण से धाम की यह सेवा यात्रा निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

आप सभी का स्नेह, सहयोग और आशीर्वाद हमें सदैव प्राप्त होता रहे — यही हमारी कामना है।

निर्मल सराफ
प्रधान सचिव
महाराजा अग्रसेन धाम

ADVISORY COMMITTEE

Pujya Guruji
Shri Srikantji Sharma

Shri Radhey Shyam
Goenka

Shri Nand Lal
Rungta

Padma Shri
Prahlad Rai
Agarwala

Padma Shri
Sajjan Bhajanka

Shri Sajan Kumar
Bansal

Shri Bishwanath
Seksaria

Shri Satyanarayan
Deoralia

Shri Rajesh Mittal

Shri Ashok
Kumar Todi

Shri Brij Mohan
Garodia

Shri J.P. Agarwal

Shri Ramesh
Kumar Saraogi

Shri Vivek Gupta

Shri Anuj Kumar
Didwania

दूसरों के जीवन को रोशन करना ही हमारे अपने जीवन को प्रकाशमान करने का सबसे सही तरीका है।

TRUST BOARD MEMBERS

Shri Om Jalan
Chairman

Shri Nirmal Saraf
Chief Secretary

Shri Anil Kedia
Treasurer

Shri Murari Lal Diwan
Vice Chairman

Shri Deepak Kumar Agarwal
Joint Secretary

Shri Bhagwan Das Agarwal
Joint Treasurer

Shri Dinesh Adukia
Vice Chairman

Shri Ashok Kumar Churiwala
Joint Secretary

Shri Abhinav Agarwal
Joint Treasurer

जब सोच एक हो और कदम साथ हों, तो हर टीम बड़ी से बड़ी सफलता रच देती है।

EXECUTIVE COMMITTEE

Shri Om Jalan
President

Shri Nirmal Saraf
Chief Secretary

Shri Anil Kedia
Treasurer

Shri Murari Lal Diwan
Vice President

Shri Deepak Kumar Agarwal
Joint Secretary

Shri Bhagwan Das Agarwal
Joint Treasurer

Shri Dinesh Adukia
Vice President

Shri Ashok Kumar Churiwala
Joint Secretary

Shri Abhinav Agarwal
Joint Treasurer

Shri Sushil Goenka

Shri Kunj Bihari Agarwal

Shri Biram Prakash Sultania

Shri Bishwanath Agarwal

Shri Lalit Beriwala

Shri Binod Kumar Agarwal

Shri Pawan Tibrewalla

Shri Ramesh Kumar Sonthalia

Shri Niranjan Kumar Agarwal

EXECUTIVE COMMITTEE

Shri Kailash Chandra Kayal

Shri Manoj Kumar Bagaria

Shri Vinod Kumar Gupta

Shri Naresh Kumar Agarwal

Shri Suresh Kumar Agarwal

Shri Girdhari Lal Goenka

Shri Rajeev Kanodia

Shri Shankar Lal Agarwal

Shri Mukesh Goyal

Shri Anand Prakash Kejriwal

Shri Banwari Lal Chowdhary

Shri Gopal Kumar Naredi

Shri Jugal Jajodia

Shri Vivek Adukia

Shri Pawan Kumar Madhogaria

Shri Hemchand Agarwal

Shri Pramod Kumar Drolia

Shri Sushil Kumar Mittal

EXECUTIVE COMMITTEE

Shri Binod Kumar Kedia

Shri Bajrang Lal Agarwal

Shri Kesav Bubna

Shri Ravi Khetan

Shri Vicky Raj Sikaria

Shri Amit Kumar Kedia

Shri Pradeep Khetan

Shri Navin Tikmany

Shri Sunil Kumar Dhanania

Shri Sudhir Satnaliwala

Shri Sushil Hirawat

जब सभी लोग एक ही दिशा में चलने लगते हैं, तो रास्ते की हर मुश्किल हल हो जाती है |

MAHARAJA AGRASAIN DHAM TRUSTEE

Shri Abhishek Kanodia

Shri Abhinav Agarwal

Shri Aditya Makharia

Shri Ajay Kumar Agarwal

Shri Amar Kumar Bhartia

Shri Amit Goyal

Shri Amit Kumar Kedia

Shri Amit Saraogi

Shri Anand Kumar Gupta

Shri Anand Prakash Kejriwal

Shri Anant Shah

Shri Anil Gupta

Shri Anil Kedia

Shri Anil Kumar Goyal

Shri Anil Kumar Khemka

Shri Anil Kumar Saraiwala

Shri Anshu Kumar Ruia

Shri Anuj Kumar Didwania

Shri Anup Kumar Keshan

Shri Apurva Salarpuria

Shri Arjun Das Goyal

Shri Arun Kumar Poddar

Shri Ashish Goel

Shri Ashok Agarwal

MAHARAJA AGRASAIN DHAM TRUSTEE

Shri Ashok Kumar Bajoria

Shri Ashok Kumar Churiwala

Shri Ashok Kumar Todi

Shri Atul Tantia

Shri Bajarang Lal Agrawal

Shri Balaram Agarwal

Shri Baldeo Prasad Kedia

Shri Banwari Lal Chowdhary

Shri Banwari Lal Mittal

Shri Bhagwan Das Agarwal

Shri Bhagwan Das Agarwal

Shri Bhagwati Prasad Jalan

Shri Bijay Gujarwasia

Shri Bijay Kumar Dokania

Shri Bijay Kumar Garodia

Shri Bikash Agarwal

Shri Binod Kumar Agarwal

Shri Binod Kumar Kedia

Shri Binod Kumar Saraogi

Shri Biram Prakash Sultania

Shri Bishwanath Agarwal

Shri Bishwanath Kedia

Shri Bishwanath Kharakia

Shri Bishwanath Seksaria

MAHARAJA AGRASAIN DHAM TRUSTEE

Shri Bishwanath Agarwala

Shri Bisnu Saraf

Shri Brij Mohan Garodia

Shri Champa Lal Saraogi

Shri Deepak Agarwal

Shri Deepak Kumar Agarwal

Shri Deepak Rungta

Shri Deepak Jalan

Shri Devi Prasad Kakarania

Shri Dharam Chand Agarwal

Shri Dilip Kumar Choudhary

Shri Dilip Modi

Shri Dinesh Adukia

Shri Dinesh Kumar Seksaria

Shri Dipak Kumar Agarwal

Shri Dwarka Prasad Didwania

Shri Gagan Goenka

Shri Ganesh Kumar Singhania

Shri Ghanshyam Das Agarwal

Shri Girdhari Lal Goenka

Shri Gokul Agarwal

Shri Gopal Kumar Naredi

Shri Gopi Kishan Kedia

Shri Gouri Shankar Choudhary

MAHARAJA AGRASAIN DHAM TRUSTEE

Shri Govardhan Das Agarwal

Shri Govind Garg

Shri Hari Kishan Choudhary

Shri Harshit Dalmia

Shri Hem Chand Agarwal

Shri Ishwari Prasad Tantia

Shri Jagannath Gupta

Shri Jyoti Kumar Bajaj

Shri Kailash Agarwal

Shri Kailash Chandra Kayal

Shri Keshav Kumar Bubna

Shri Kishan Kumar Modi

Shri Krishna Kumar Singhania

Shri Kunj Bihari Agarwal

Shri Lalit Beriwala

Shri Lalit Bhalotia

Shri Lalit Kumar Poddar

Shri Mahabir Prasad Sanwaria

Shri Mahendra Kumar Jalan

Shri Mahesh Kumar Agarwal

Shri Manish Khemmka

Shri Manish Kumar Jajodia

Shri Manish Satnaliwala

Shri Manmohan Chowdhary

MAHARAJA AGRASAIN DHAM TRUSTEE

Shri Manohar Lal Agarwal

Shri Manoj Kumar Agarwal

Shri Manoj Kumar Bagaria

Shri Manoj Gupta

Shri Manoj Khemka

Shri Mohan Lal Kedia

Shri Mukesh Chand Bansal

Shri Mukesh Goyal

Shri Murari Kedia

Shri Murari Lal Diwan

Shri Nand Kisore Agarwal

Shri Nand Lal Rungta

Shri Narendra Kumar Saraogi

Shri Naresh Jalan

Shri Naresh Kumar Agarwal

Shri Navin Tikmany

Shri Nikunj Bhartia

Shri Niranjan Kumar Agarwal

Shri Niranjan Lal Agarwal

Shri Nirmal Kumar Goyal

Shri Nirmal Saraf

Shri Om Jalan

Shri Om Prakash Agarwal

Shri Om Prakash Bhartia

MAHARAJA AGRASAIN DHAM TRUSTEE

Shri Om Prakash Patwari

Shri Pankaj Goenka

Shri Pawan Kumar Agarwal

Shri Pawan Kumar Bansal

Shri Pawan Kumar Kedia

Shri Pawan Kumar Madhogaria

Shri Pawan Tibrewalla

Shr Prabhat Kumar Mittal

Shri Pradeep Khetan

Shri Pradip Kumar Todi

Shri Pramod Agarwal

Shri Pramod Kumar Drolia

Shri Praveen Kumar Agarwal

Shri Prem Chand Dhandhania

Shri Purshottam Beriwala

Shri Radhe Shyam Goenka

Shri Radhe Shyam Gupta

Shri Rahul Kharakia

Shri Raj Kumar Kedia

Shri Raj Kumar Kejriwal

Shri Rajeev Kanodia

Shr Rajeev Kheria

Shri Rajendra Prasad Parmanandka

Shri Rajesh Kumar Agarwal

MAHARAJA AGRASAIN DHAM TRUSTEE

Shri Rajesh Kumar Agarwal

Shri Rajesh Mittal

Shri Ram Awatar Ramsisaria

Shri Ram Bilas Mirania

Shri Ram Gopal Poddar

Shri Ram Kumar Goel

Shri Ram Narayan Bansal

Shri Ram Niwas Agarwal

Shri Ram Ratan Modi

Shri Ram Swaroop Agarwal

Shri Rama Kant Pansari

Shri Ramesh Kumar Kedia

Shri Ramesh Kumar Saraogi

Shri Ramesh Kumar Sonthalia

Shri Ramesh Kumar Tibrewal

Shri Ramesh Modi

Shri Ramgopal Agarwala

Shri Ravi Khetan

Shri Ravindra Chameria

Shri Rishab Agarwal

Shri Rohit Bajoria

Shri Roushan Agarwal

Shri Sajan Kumar Bansal

Shri Sajjan Bansal

MAHARAJA AGRASAIN DHAM TRUSTEE

Padma Shri Sajjan Kumar Bhajanka

Shri Sajjan Kumar Goenka

Shri Sandeep Agrawal

Shri Sandeep Garg

Shri Sanjay Dhanuka

Shri Sanjay Goenka

Shri Sanjay Kumar Singhania

Shri Sanjay Kumar Sultania

Shri Sanjay Modi

Shri Sanjay Rasiwasia

Shri Sanjay Saraf

Shri Sanjay Sureka

Shri Sanjeev Kanodia

Shri Santosh Kumar Kedia

Shri Santosh Kumar Goenka

Shri Satish Kumar Jhunjhunwala

Shri Satyam Bubna

Shri Satyanarayan Deoralía

Shri Shankar Lal Agarwal

Shri Shankar Lal Agarwal

Shri Shankar Lal Kariwal

Shri Sheo Kumar Agarwal

Shri Shiv Kumar Bhakarh

Shri Shivam Agarwal

MAHARAJA AGRASAIN DHAM TRUSTEE

Shri Shravan Kumar Saraf

Shri Shyam Lal Dokania

Shri Shyam Sundar Agarwal

Shri Shyam Sundar Agarwal

Shri Shyam Sundar Dhanuka

Shri Shyam Sunder Agarwal

Shri Subhash Kumar Sonthalia

Shri Sudesh Kumar Gupta

Shri Sudhir Kedia

Shri Sudhir Satnaliwala

Shri Sunil Bansal

Shri Sunil Krishna Khaitan

Shri Sunil Kumar Dhanania

Shri Surendra Kumar Saraf

Shri Suresh Chand Goyal

Shri Suresh Kumar Agrawal

Shri Sushil Goenka

Shri Sushil Kumar Agarwal

Shri Sushil Kumar Mittal

Shri Umesh Jhunjhunwala

Shri Vicky Raj Sikaria

Shri Vinod Kumar Gupta

Shri Vinod Kumar Poddar

Shri Vishal Kumar Bhuwania

Shri Vishnu Kumar Fogla

Shri Vivek Adukia

LADIES WING

Smt. Suman Jalan
President

Smt. Sarita Saraf
Secretary

Smt. Nirmala Agarwal
Treasurer

Smt. Sunita Adukia
Vice President

Smt. Prem Keyal
Joint Secretary

Smt. Mamta Kedia
Joint Treasurer

Smt. Swati Agarwal
Vice President

Smt. Bina Churiwala
Joint Secretary

Smt. Sulekha Bagaria
Joint Treasurer

Smt. Anjana Agarwal

Smt. Babita Diwan
Joint Secretary

Smt. Usha Naredi

Smt. Sudha Sonthalia

Smt. Indu Goenka

Smt. Sudha Agarwal

Smt. Rani Choudhary

Smt. Indu Goyal

Smt. Jyoti Kejriwal

LADIES WING

Smt. Usha Drolia

Smt. Amita Diwan

Smt. Neelam Mittal

Smt. Ritika Tikmani

Smt. Anita Singhania

Smt. Anita Kedia

Smt. Neelu Sulthania

Smt. Chitra Kanodia

Smt. Nirmala Agarwal

Smt. Raj Goenka

Smt. Manju Goenka

Smt. Neelam Agarwal

Smt. Neha Agarwal

Smt. Sarita Adukia

Smt. Shailja kedia

Smt. Kavita Agarwal

Smt. Nisha Sikaria

LIFE MEMBERS

Aarna Agarwal
Aayush Jhunjhunwala
Abhishek Saraf
Ajay Mitruka
Amit Dhanania
Amit Kumar Agarwal (Dabriwal)
Anaya Agarwal
Anil Kumar Gadodia
Ankit Prahladka
Arun Kumar Khemka
Ashish Goenka
Binod Agarwal
Devarsh Goenka
Goverdhan Kedia
Harsh Poddar
Jayashree Agarwal
Kamal Kumar Chandgothia
Lalit Kumar Prahladka
Lalita Agarwal
Madhuri Agarwal
Mamta Bidawatka
Neelam Agarwal
Nitesh Tikmany
Pradeep Goel
Pramod Kumar Agarwal
Rahul Agarwal
Raj Kumar Agarwal
Rajesh Agarwal
Rajesh Agarwal
Rajkumar Agarwal
Reyansh Goenka
Sajjan Kumar Singhania
Sandeep Agarwal
Sangita Khetan
Sanjay Kumar Agarwal
Sanjay Sonthalia
Sanjeev Kumar Chirania
Saurav Kumar
Shambhu More
Sharat Jhunjhunwala
Shruti Agarwal
Shruti Goenka
Shyam Sundar Agarwal
Subhash Murarka
Sunil Kumar Bubna
Sunil Kumar Khetan
Surendra Agarwal
Vanishri Agarwal
Vansh Goenka
Vijay Kumar Agarwal
Vikash Agarwal
Vikash Jhunjhunwala
Yogesh Kumar Poddar

महाराजा अग्रसेन धाम

(पंचांग : अप्रैल २०२६ - मार्च २०२७)

अप्रैल

- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
- 3 नेत्र ऑपरेशन
- 1 कृत्रिम अंग शिविर

मई

- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
- 3 नेत्र ऑपरेशन
- 1 कृत्रिम अंग शिविर

जून

- अग्र मेधा सम्मान (रविवार, 14 जून 2026)
- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
- 3 नेत्र ऑपरेशन
- 1 कृत्रिम अंग शिविर

मेगा मेडिकल हेल्थ चेक-अप कैंप

जुलाई

- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
- 3 नेत्र ऑपरेशन
- 1 कृत्रिम अंग शिविर

अगस्त

- सुरंगो सावन (शनिवार, 01 अगस्त 2026)
- रुद्राभिषेक (रविवार, 09 अगस्त 2026)
- स्वतंत्रता दिवस (शनिवार, 15 अगस्त 2026)
- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
- 3 नेत्र ऑपरेशन
- 1 कृत्रिम अंग शिविर

सितंबर

- वार्षिक साधारण सभा (AGM) - शनिवार, 26 सितंबर 2025
- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
- 3 नेत्र ऑपरेशन
- 1 कृत्रिम अंग शिविर

मेगा मेडिकल हेल्थ चेक-अप कैंप

अक्टूबर

- अग्रसेन जयंती+अग्र गौरव सम्मान (09, 10, 11 अक्टूबर 2026, शुक्रवार, शनिवार, रविवार)
- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
- 3 नेत्र ऑपरेशन
- 1 कृत्रिम अंग शिविर

नवंबर

- दीपावली मिलन (15 नवंबर 2026)
- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
- 3 नेत्र ऑपरेशन
- 1 कृत्रिम अंग शिविर

दिसंबर

- पिकनिक (रविवार, 27 दिसंबर 2026)
- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
- 3 नेत्र ऑपरेशन
- 1 कृत्रिम अंग शिविर

मेगा मेडिकल हेल्थ चेक-अप कैंप

जनवरी

- गणतंत्र दिवस (मंगलवार, 26 जनवरी 2027)
- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
- 3 नेत्र ऑपरेशन
- 1 कृत्रिम अंग शिविर

फरवरी

- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
- 3 नेत्र ऑपरेशन
- 1 कृत्रिम अंग शिविर

मार्च

- होली समारोह (शनिवार, 27 मार्च 2027)
- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
- 3 नेत्र ऑपरेशन
- 1 कृत्रिम अंग शिविर

मेगा मेडिकल हेल्थ चेक-अप कैंप

समय को व्यर्थ मत जाने दो, क्योंकि यही वह पूंजी है जिससे जीवन की सफलता बनती है।

महाराजा अग्रसेन धाम (Ladies Wing)

(पंचांग : अप्रैल २०२६ - मार्च २०२७)

अप्रैल

- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
- 3 नेत्र ऑपरेशन

मई

- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
- 3 नेत्र ऑपरेशन

जून

- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
- 3 नेत्र ऑपरेशन

जुलाई

- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
- 3 नेत्र ऑपरेशन

अगस्त

- सुरंगो सावन (शनिवार, 01 अगस्त)
- रुद्राभिषेक (रविवार, 09 अगस्त)
- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
- 3 नेत्र ऑपरेशन

सितंबर

- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
- 3 नेत्र ऑपरेशन

अक्टूबर

- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
- 3 नेत्र ऑपरेशन
- करवा चौथ (27 अक्टूबर, मंगलवार)

नवंबर

- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
- 3 नेत्र ऑपरेशन

दिसंबर

- पिकनिक (रविवार, 27 दिसंबर 2026)
- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
- 3 नेत्र ऑपरेशन

जनवरी

- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
- 3 नेत्र ऑपरेशन

फरवरी

- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
- 3 नेत्र ऑपरेशन

मार्च

- होली समारोह (शनिवार, 27 मार्च 2027)
- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
- 3 नेत्र ऑपरेशन

वर्ष 2025-2026 महाराजा अग्रसेन धाम के लिए सेवा, संस्कार और समर्पण का एक अत्यंत सफल, प्रेरणादायी एवं उपलब्धियों से परिपूर्ण वर्ष रहा।

इस वर्ष की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह रही कि धाम द्वारा पूर्व निर्धारित वार्षिक कैलेंडर के अनुसार सभी धार्मिक, सामाजिक एवं सेवा गतिविधियाँ समयबद्ध, अनुशासित एवं सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न की गईं। प्रत्येक आयोजन को अत्यंत सुनियोजित ढंग से क्रियान्वित किया गया, जिससे न केवल कार्यक्रमों की गुणवत्ता बनी रही, बल्कि समाज में धाम की विश्वसनीयता और प्रतिष्ठा भी और अधिक सुदृढ़ हुई।

वर्ष भर आयोजित कार्यक्रमों ने समाज के विभिन्न वर्गों बच्चों, युवाओं, महिलाओं एवं वरिष्ठजनों सभी को एक साथ जोड़ने का कार्य किया। धाम ने अपने सेवा कार्यों के माध्यम से न केवल लोगों तक पहुँचना सुनिश्चित किया, बल्कि उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का भी सतत प्रयास किया।

शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, युवा मार्गदर्शन एवं धार्मिक आयोजनों के विविध आयामों को स्पर्श करते हुए, धाम ने समाज के सर्वांगीण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जहाँ एक ओर नियमित रूप से आयोजित "**निःशुल्क नेत्र ऑपरेशन शिविरों**" के माध्यम से अनेक जरूरतमंद व्यक्तियों को नई दृष्टि और नया जीवन मिला, वहीं **"अग्र मेधा सम्मान"** जैसे आयोजनों ने समाज के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान की।

महिला समिति द्वारा आयोजित **"सुरंगो सावन"** जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने न केवल समाज की परंपराओं और संस्कृति को जीवंत बनाए रखा, बल्कि महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और नेतृत्व क्षमता को भी सशक्त रूप से प्रदर्शित किया। इसी प्रकार, "**महाराजा अग्रसेन जन्ममहोत्सव**" के अवसर पर आयोजित सेवा महाकुंभ धाम की सेवा भावना का एक उत्कृष्ट उदाहरण रहा, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने विभिन्न सेवाओं का लाभ प्राप्त किया।

वर्ष 2025-2026 नई पहलों और दूरदर्शी योजनाओं के लिए भी विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। **Maharaja Agrasain UPSC Academy** एवं **गठबंधन - Matrimony Platform** जैसे नए उपक्रमों का शुभारंभ करते हुए धाम ने समाज के भविष्य निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया, जो आने वाले समय में युवाओं और परिवारों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा।

समग्र रूप से यह वर्ष केवल कार्यक्रमों की संख्या तक सीमित नहीं रहा, बल्कि प्रत्येक आयोजन के माध्यम से समाज में सेवा, सहयोग, संस्कार एवं एकता के मूल्यों को और अधिक सशक्त बनाने का कार्य किया गया।

आइए, इस वर्ष की उन महत्वपूर्ण झलकियों को विस्तार से देखें, जिन्होंने वर्ष 2025 को एक अविस्मरणीय, प्रेरणादायी एवं गौरवपूर्ण अध्याय बना दिया।

(Vyapaar Expo) व्यापार एक्सपो 2026 में महाराजा अग्रसेन UPSC अकादमी की सशक्त उपस्थिति

जनवरी 2026 में आयोजित प्रतिष्ठित व्यापार एक्सपो में इस वर्ष महाराजा अग्रसेन धाम के अंतर्गत संचालित महाराजा अग्रसेन UPSC अकादमी ने अपनी उल्लेखनीय उपस्थिति दर्ज कराते हुए शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रेरणादायक पहल प्रस्तुत की। यह तीन दिवसीय प्रदर्शनी कोलकाता के प्रमुख संगठनों और उद्योगों का संगम थी, जहां विभिन्न क्षेत्रों की अग्रणी संस्थाओं ने भाग लिया।

इस भव्य आयोजन में हमारी अकादमी को भी अपने उद्देश्य और कार्यों को प्रस्तुत करने का अवसर मिला, जिसे हमने पूरे उत्साह और समर्पण के साथ निभाया। विशेष बात यह रही कि इस विशाल एक्सपो में हमारी अकादमी ही एकमात्र शैक्षणिक स्टॉल थी, वह भी एक नॉन-प्रॉफिट संगठन के रूप में। यह अपने आप में गर्व का विषय रहा।

तीनों दिन के दौरान हमारे स्टॉल पर विद्यार्थियों, अभिभावकों और युवाओं की भारी संख्या में उपस्थिति रही। दर्शकों ने न केवल गहरी रुचि दिखाई, बल्कि UPSC-CSE पाठ्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की और सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। यह उत्साह इस बात का प्रमाण है कि समाज में गुणवत्तापूर्ण और उद्देश्यपूर्ण शिक्षा की मांग लगातार बढ़ रही है।

इस अवसर पर महाराजा अग्रसेन धाम के **महामंत्री श्री निर्मल सराफ जी और कोषाध्यक्ष श्री अनिल केड़िया** जी ने भी स्टॉल का दौरा किया। उन्होंने युवाओं को UPSC जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं के लिए प्रेरित करते हुए संदेश दिया कि समर्पण, अनुशासन और सही मार्गदर्शन से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

स्टॉल के प्रथम दिन निदेशक श्री **मनीष कुमार** (डाइरेक्टर), **सुजेता कुमारी** (कंटेंट राइटर) एवं **शिल्पा अग्रवाल** (स्टॉल डिज़ाइनर एवं क्रिएटिव हेड, महाराजा अग्रसेन धाम) ने अपनी उत्कृष्ट उपस्थिति और समर्पण से कार्यक्रम को प्रभावशाली शुरुआत दी। तीनों ने न केवल स्टॉल का संचालन बेहद कुशलता से किया, बल्कि अपनी ऊर्जा, रचनात्मकता और संवाद शैली से आए हुए लोगों को आकर्षित करते हुए अकादमी की एक सशक्त छवि प्रस्तुत की।

आगामी दो दिनों में **श्री मनीष कुमार और सुजेता कुमारी** ने निरंतर उत्साह के साथ स्टॉल की गतिविधियों को आगे बढ़ाया। उन्होंने स्कूल और कॉलेज के छात्रों तथा उनके अभिभावकों को UPSC पाठ्यक्रम के बारे में अत्यंत प्रभावी ढंग से जानकारी दी। यह पहल निश्चित रूप से आने वाले समय में और अधिक युवाओं को अपने सपनों को साकार करने की प्रेरणा देती रहेगी।

नई रोशनी की ओर – निःशुल्क नेत्र ऑपरेशन शिविरों की निरंतर सेवा यात्रा

“जब किसी की आँखों में फिर से रोशनी लौटती है, तो केवल दृष्टि ही नहीं, जीवन की आशा भी पुनः जागृत होती है।”

महाराजा अग्रसेन धाम द्वारा समाज सेवा की अपनी पवित्र परंपरा को निरंतर आगे बढ़ाते हुए वर्ष 2025–26 में निःशुल्क नेत्र ऑपरेशन शिविरों की श्रृंखला अत्यंत सफलतापूर्वक संचालित की गई। यह केवल एक सेवा कार्य नहीं, बल्कि मानवता के प्रति समर्पण, करुणा और संवेदनशीलता का एक जीवंत उदाहरण है।

वर्ष की शुरुआत से ही धाम द्वारा नियमित रूप से नेत्र शिविरों का आयोजन किया जाता है। अप्रैल, मई और जून माह में क्रमशः 50वें, 51वें और 52वें निःशुल्क नेत्र ऑपरेशन शिविर आयोजित किए गए, जिनमें अनेक जरूरतमंद एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मरीजों को जांच एवं सफल ऑपरेशन की सुविधा प्रदान की गई।

इसके पश्चात सेवा की यह श्रृंखला निरंतर आगे बढ़ती रही और अक्टूबर माह तक 56वें एवं 57वें नेत्र ऑपरेशन शिविरों का सफल आयोजन किया गया। प्रत्येक शिविर में मरीजों की पूरी देखभाल, जांच, ऑपरेशन तथा पश्चात सेवाओं की व्यवस्था अत्यंत सुव्यवस्थित और समर्पण भाव से की गई।

पुरे वर्ष यह सेवा कार्य निरंतर उसी समर्पण और गति के साथ जारी रहा और आयोजित निःशुल्क नेत्र ऑपरेशन शिविरों की यह श्रृंखला धाम की सेवा भावना और समाज के प्रति प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण रही।

24 मार्च 2026 को आयोजित शिविर के साथ इस सेवा यात्रा ने अपने **73वें निःशुल्क नेत्र ऑपरेशन** शिविर तक पहुँचते हुए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि को पूर्ण किया, जो धाम के सतत प्रयासों और निरंतर सेवा संकल्प को दर्शाता है।

इन सभी शिविरों के माध्यम से सैकड़ों जरूरतमंद मरीजों की आँखों की जांच की गई तथा योग्य मरीजों का सफलतापूर्वक ऑपरेशन कर उन्हें नई दृष्टि प्रदान की गई। जिन लोगों के लिए अंधकार ही जीवन की वास्तविकता बन चुका था, उनके लिए यह शिविर एक नई सुबह, नई उम्मीद और आत्मनिर्भर जीवन की शुरुआत लेकर आए।

इन शिविरों की सफलता के पीछे धाम के ट्रस्टीगण, डॉक्टरों की टीम, स्वयंसेवकों एवं सहयोगियों का अथक परिश्रम और निस्वार्थ सेवा भाव निहित है। सभी ने मिलकर यह सुनिश्चित किया कि हर जरूरतमंद व्यक्ति तक यह सेवा पहुँच सके और कोई भी व्यक्ति केवल आर्थिक अभाव के कारण उपचार से वंचित न रहे।

महाराजा अग्रसेन धाम की यह पहल समाज के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है, एक ऐसी प्रतिबद्धता, जिसमें सेवा केवल एक कार्य नहीं, बल्कि एक संकल्प है।

यह सेवा यात्रा आगे भी इसी प्रकार निरंतर जारी रहेगी, और हम सभी का प्रयास रहेगा कि अधिक से अधिक जरूरतमंदों के जीवन में रोशनी और खुशियाँ लाई जा सकें।

“अग्रकुल देवी महालक्ष्मी मंगल पाठ”

भक्ति, एकता और महिला शक्ति का संगम

“जहाँ श्रद्धा और समर्पण एक साथ मिलते हैं, वहीं से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।”

महाराजा अग्रसेन धाम में वर्ष 2025–26 के दौरान आयोजित अग्रकुल देवी महालक्ष्मी मंगल पाठ केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं रहे, बल्कि ये समाज को एक सूत्र में जोड़ने, भक्ति भावना को सशक्त करने और महिला शक्ति की सक्रिय भागीदारी को दर्शाने का एक सुंदर माध्यम बने।

विशेष रूप से यह पहल धाम की महिला समिति द्वारा प्रेरित और संचालित रही, जिन्होंने पूरे वर्ष अत्यंत समर्पण, उत्साह और संगठन क्षमता के साथ इन आयोजनों को सफलतापूर्वक सम्पन्न किया।

वर्ष की शुरुआत से ही विभिन्न स्थानों पर क्रमबद्ध रूप से महालक्ष्मी मंगल पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के अनेक परिवारों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और भक्ति भाव से माँ महालक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस वर्ष आयोजित प्रमुख मंगल पाठ इस प्रकार रहे—

- **27 अप्रैल 2025 – द एटमॉस्फियर-** इस मंगल पाठ में सोसाइटी के निवासियों एवं धाम के सदस्यों की उत्साही उपस्थिति रही। पूरे वातावरण में भक्ति और शांति का सुंदर समन्वय देखने को मिला, जहाँ सभी ने सामूहिक रूप से माँ महालक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

- **18 मई 2025 – स्वस्तिक अपार्टमेंट-** स्वस्तिक अपार्टमेंट परिवार द्वारा आयोजित यह मंगल पाठ अत्यंत आत्मीय और पारिवारिक वातावरण में सम्पन्न हुआ। यहाँ के सदस्यों की सक्रिय सहभागिता और श्रद्धा भाव ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया।

- **14 जून 2025 – मणिकला अपार्टमेंट-** मणिकला अपार्टमेंट में आयोजित इस मंगल पाठ में सोसाइटी के सदस्यों की सहभागिता सराहनीय रही। पूरे आयोजन में अनुशासन, भक्ति और सामूहिकता का सुंदर समावेश देखने को मिला।

- **05 जुलाई 2025 – साल्टलेक (चूड़ीवाला हाउस)**- यह मंगल पाठ विशेष रूप से श्री अशोक चूड़ीवाला जी द्वारा उनके निवास पर अत्यंत सुंदर एवं भव्य रूप से आयोजित किया गया। पारिवारिक आत्मीयता और उत्कृष्ट व्यवस्थाओं ने इस आयोजन को विशेष बना दिया।

- **30 अगस्त 2025 – अवनि ऑक्सफोर्ड**- अवनि ऑक्सफोर्ड परिवार द्वारा आयोजित इस मंगल पाठ में पूरे परिसर के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सामूहिक भक्ति और उत्साह ने इस आयोजन को अत्यंत जीवंत बना दिया।

- **16 नवंबर 2025 – अर्बाना कॉम्प्लेक्स (Urbana Club Banquet Hall)**- इस दिन अर्बाना देवालय ट्रस्ट द्वारा आयोजित मंगल पाठ अत्यंत भव्य और श्रद्धा से परिपूर्ण रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति, सुंदर आयोजन व्यवस्था और भक्ति से ओतप्रोत वातावरण ने इसे विशेष बना दिया। पाठ के दौरान श्रद्धालुओं को गट्टे की माला प्रदान की गई।

- **10 दिसंबर 2025 – दीवान हाउस-** श्री मुरारी लाल दीवान जी के सहयोग से उनके निवास पर आयोजित यह मंगल पाठ अत्यंत सुंदर और सुसज्जित वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर उनके पुत्र एवं बहू की वैवाहिक वर्षगांठ भी मनाई गई, जिससे कार्यक्रम में भक्ति के साथ-साथ पारिवारिक आनंद का भी सुंदर संगम देखने को मिला।

- **10 जनवरी 2026 – केड सभा**- केड सभा में आयोजित इस मंगल पाठ में केडिया परिवार एवं अन्य सदस्यों की सक्रिय सहभागिता रही। आयोजन में आत्मीयता, अनुशासन और भक्ति का सुंदर वातावरण बना रहा।

- **1 फरवरी 2026 – सनसिटी अपार्टमेंट, उल्टाडांगा -** सनसिटी अपार्टमेंट में आयोजित इस मंगल पाठ में स्थानीय निवासियों और धाम के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सामूहिक प्रार्थना और भक्ति ने पूरे वातावरण को दिव्यता से भर दिया।

इन सभी आयोजनों में भक्तों की उत्साही उपस्थिति, मंत्रोच्चार की दिव्यता और सामूहिक भक्ति का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। प्रत्येक स्थल पर आयोजन ने न केवल धार्मिक आस्था को सशक्त किया, बल्कि समाज के सदस्यों के बीच आपसी जुड़ाव और सामूहिकता की भावना को भी और अधिक प्रगाढ़ बनाया।

एक प्रेरणादायी व्यक्तित्व को नमन

"कुछ लोग केवल जीवन नहीं जीते, बल्कि अपने कर्मों से समाज में ऐसी छाप छोड़ जाते हैं जो सदैव स्मरणीय बन जाती है।"

8 अक्टूबर 2025 को महाराजा अग्रसैन धाम के लिए अत्यंत भावुक और स्मरणीय रहा, क्योंकि इस महीने धाम ने अपने एक अत्यंत समर्पित और महत्वपूर्ण सदस्य **श्री श्याम सुंदर अग्रवाल** जी को खो दिया। वे धाम के कोषाध्यक्ष के रूप में लंबे समय तक जुड़े रहे और अपनी निष्ठा, ईमानदारी और सेवा भाव से संस्था के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते रहे।

दिवंगत श्यामसुन्दर अग्रवाल की श्रद्धांजलि सभा आज

अग्रसेन धाम के मानद् कोषाध्यक्ष के निधन से शोक

युवाशक्ति न्यूज/कोलकाता: महाराजा अग्रसेन धाम के मानद् कोषाध्यक्ष महाराजा अग्रसेन मेडिकल सेंटर के निर्माता, धर्मनिष्ठ, उदारमना, कर्मयोगी श्यामसुन्दर अग्रवाल का देहावसान हो गया. महाराजा अग्रसेन धाम की संचालन समिति ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है. संस्था ने रविवार दोपहर 1 बजे से 1.45 बजे तक महानगर के ओम टॉवर स्थित महाराजा अग्रसेन धाम (कॉन्फरेंस रूम) श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया है. संस्था ने अग्रसेन महाराज से प्रार्थना की है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं शोक संतप्त परिजन व शुभेच्छुओं को सम्बल प्रदान करें. युवाशक्ति परिवार ने भी श्यामसुन्दर अग्रवाल के निधन पर शोक व्यक्त किया है. उल्लेखनीय है कि श्रद्धांजलि सभा सम्पन्न होने के बाद अग्रवाल परिवार की इस्कॉन हाऊस, गुरुसदय रोड में बैठक होगी. उल्लेखनीय है कि श्यामसुन्दर अग्रवाल का पूरा जीवन सेवा कार्यों में बीता और अग्रवाल समाज नहीं, पूरे व्यवसायी समुदाय में उनकी पहचान थी. महानगर के कई समाजसेवियों व उद्योगपतियों ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है.

श्री अग्रवाल जी ने अपने जीवन का एक बड़ा हिस्सा महाराजा अग्रसैन धाम की उन्नति और सेवा कार्यों को समर्पित किया। धाम को एक मजबूत और सक्रिय संस्था बनाने में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा।

विशेष रूप से धाम के मेडिकल सेंटर का निर्माण उनके प्रयासों और समर्पण का ही परिणाम है, जो आज भी समाज के अनेक जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान कर रहा है और उनके सेवा भाव की जीवंत मिसाल बना हुआ है।

वे केवल एक पदाधिकारी ही नहीं, बल्कि एक ऐसे व्यक्तित्व थे जिनका व्यवहार अत्यंत सरल, स्नेहपूर्ण और प्रेरणादायी था। उनकी विनम्रता, दूरदर्शिता और समाज के प्रति समर्पण ने धाम परिवार के हर सदस्य के हृदय में उनके लिए विशेष स्थान बना दिया था।

उनके निधन से पूरा धाम परिवार गहरे शोक में डूब गया। यह क्षति केवल एक पदाधिकारी की नहीं, बल्कि एक ऐसे मार्गदर्शक और शुभचिंतक की है, जिन्होंने अपने कर्मों और मूल्यों से संस्था को नई दिशा देने का कार्य किया।

आज भी उनके द्वारा किए गए कार्य, उनकी सोच और उनकी सेवा भावना हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। महाराजा अग्रसैन धाम परिवार उन्हें सदैव कृतज्ञता और सम्मान के साथ स्मरण करता रहेगा।

स्व. श्यामसुन्दर अग्रवाल को दी गई श्रद्धांजलि

कोलकाता (सेवा संसार)। सुपरिचित समाजसेवी व उद्योगपति स्व. श्यामसुन्दर अग्रवाल की स्मृति में महाराजा अग्रसेन धाम में आयोजित श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता करते हुए बाल व्यास पं. श्रीकान्त शर्मा ने स्व. अग्रवाल को पुण्यात्मा कहा। उन्होंने कहा कि स्व. अग्रवाल अत्यन्त विनम्र, सरल व दूरदर्शी समाजसेवी थे। धाम के अध्यक्ष ओम जालान ने कहा कि वे धाम के कोषाध्यक्ष ही नहीं, एक मजबूत स्तम्भ थे। सभी लोगों के प्रति उनके हृदय में अपार स्नेह था और वे धाम की प्रगति के लिए जीवन की अंतिम सांस तक सक्रिय रहे। संस्था के मंत्री निर्मल सराफ ने कहा कि स्व. श्याम बाबू अभिभावकस्वरूप थे। वृद्धावस्था के बावजूद वे रोजाना धाम कार्यालय में आकर अपना दायित्व निभाते थे। श्याम बाबू के प्रति उद्गार प्रगट करते हुए उनके नेत्र सजल हो उठे। बताना प्रासंगिक है कि वर्ष 2015 में अग्रसेन धाम के प्रारम्भिक चरण में ही उन्होंने मेडिकल सेंटर की स्थापना करके अपनी उदार एवं जनहितकारी भावनाओं का परिचय दिया।

स्व. अग्रवाल को श्रद्धांजलि देने के लिए उपस्थित लोगों में प्रमुख थे सर्वश्री मुरारीलाल दीवान, राधेश्याम गोयनका, विश्वनाथ सेक्सरिया, सज्जन भजनका, नन्दलाल रुंगटा, अनिल केडिया, सत्यनारायण देवरालिया, अशोक तोदी, अशोक चूड़ीवाला, भगवानदास अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, दिनेश अड़किया, बिरमप्रकाश सुल्तानिया, विष्णु फोगला, विवेक अड़किया, कैलाश कवाल, रमेश सोन्थलिया, मनोज बगड़िया, विनोद केडिया, संजय गोयनका, पवन टीबड़ेवाला, बजरंग अग्रवाल, पवन माधोगढ़िया, केशव बूबना, जेपी अग्रवाल, महावीर सांवरिया, प्रमोद ढोलिया, अजय अग्रवाल, मुकेश गोयल, अनिल सरावगी, रमेश केडिया, सुशील हीरावत, पत्रकार प्रकाश चण्डालिया तथा संजय हरलालका, ललित प्रह्लादका, अंजनी धानुका, अशोक अग्रवाल, बलराम अग्रवाल, सुशील मित्तल, डा. विकास अग्रवाल, अमर भरतिया, रतन शाह, संदीप गर्ग, मनोज बंका, सुनील खेतान, गणेश अग्रवाल, मनमोहन केडिया, लक्ष्मण अग्रवाल आदि। सभा के अन्त में एक मिनट का मौन रखा गया तथा एक शोक प्रस्ताव पारित कर स्व. अग्रवाल के सुपुत्र अभिनव अग्रवाल को सौंपा गया।

लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला जी से महाराजा अग्रसेन धाम के प्रतिनिधियों की 03 नवम्बर 2025 को कोलकाता में भेंट

राजस्थान के प्रसिद्ध राजनेता एवं वर्तमान लोकसभा अध्यक्ष **श्री ओम बिरला जी**, जो वर्ष 2014 से कोटा लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, 03 नवम्बर 2025 को कोलकाता पधारे। इस अवसर पर महाराजा अग्रसेन धाम की ओर से **महामंत्री श्री निर्मल सराफ तथा कोषाध्यक्ष श्री अनिल केडिया जी** ने उनसे सौजन्य भेंट की।

धाम की ओर से महामंत्री **श्री निर्मल सराफ** ने उन्हें अंगवस्त्र पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। भेंट के दौरान श्री ओम बिरला जी को महाराजा अग्रसेन धाम की विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। साथ ही, उन्होंने **घोराघाटा स्टेशन** का नाम बदलकर "**महाराजा अग्रसेन धाम स्टेशन**" करने तथा क्षेत्र में फ्लायओवर ब्रिज के निर्माण की आवश्यकता पर भी चर्चा की।

श्री ओम बिरला जी ने इस विषय पर सकारात्मक रूप से इसे साकार करने का प्रयास करने का आश्वासन दिया। भेंट के अंत में उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को दिल्ली आने का आमंत्रण भी दिया।

देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का कोलकाता में आगमन

देश के **यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी** के कोलकाता आगमन पर उनका भव्य और आत्मीय स्वागत किया गया, जो संपूर्ण समाज के लिए अत्यंत गर्व और हर्ष का विषय है। रेसकोर्स हेलीपैड पर महाराजा अग्रसेन धाम के महामंत्री **श्री निर्मल सराफ** ने अग्रिम पंक्ति में रहकर माननीय प्रधानमंत्री जी का स्वागत अभिनंदन किया। श्री निर्मल सराफ जी द्वारा देश के दूरदर्शी प्रधानसेवक का स्वागत करना पूरे सामाजिक संगठन के लिए एक अविस्मरणीय और गौरवपूर्ण क्षण बन गया ।

प्रतिभा का उत्सव - " अग्र मेधा सम्मान "

22 जून 2025 को कला मंदिर के सभागार में महाराजा अग्रसेन धाम द्वारा अग्र मेधा सम्मान समारोह अत्यंत भव्य और गरिमामयी वातावरण में आयोजित किया गया।

धाम की वार्षिक परंपरा के अनुरूप, इस वर्ष भी पूर्व निर्धारित कैलेंडर के अनुसार इस विशेष कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि समाज के मेधावी विद्यार्थियों को समय पर प्रोत्साहन और सम्मान मिल सके।

यह आयोजन समाज के प्रतिभाशाली एवं परिश्रमी विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित करने तथा उन्हें भविष्य में और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

इस अवसर पर X एवं XII कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं के साथ-साथ UPSC, Medical, Engineering, CA, CS, MBA, M.Com, MBBS आदि प्रतिष्ठित परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने वाले लगभग 500 विद्यार्थियों को मंच पर सम्मानित किया गया। मंच पर सम्मान प्राप्त करते हुए इन विद्यार्थियों के चेहरे पर झलकती खुशी और गर्व ने पूरे वातावरण को उत्साह और प्रेरणा से भर दिया।

इस भव्य समारोह में **बालव्यास श्रीकांत जी शर्मा** के आशीर्वाद से बच्चों को आध्यात्मिक प्रेरणा और सकारात्मक दिशा प्राप्त हुई। उनके प्रेरणादायी वचनों ने उपस्थित विद्यार्थियों के मन में आत्मविश्वास और संकल्प की भावना को और अधिक दृढ़ किया।

साथ ही, मुख्य अतिथि के रूप में पधारे **श्री बी.पी. गोपालिका** (पूर्व मुख्य सचिव एवं तत्कालीन पश्चिम बंगाल के माननीय मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार) की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा को और अधिक बढ़ा दिया। अपने प्रेरक उद्बोधन में उन्होंने विद्यार्थियों को कठिन परिश्रम, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण का महत्व समझाते हुए उन्हें जीवन में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

हर वर्ष की भांति, महाराजा अग्रसेन बालिका शिक्षा सदन, लिलुआ की बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम इस आयोजन का एक विशेष आकर्षण रहा। उनकी भावपूर्ण प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया और पूरे कार्यक्रम में जीवंतता, ऊर्जा एवं सांस्कृतिक गरिमा का सुंदर समावेश किया।

इस खास मौके पर यूपीएससी AIR 2 **अंकिता अग्रवाल, IAS** भी मौजूद रहीं और उन्होंने बच्चों को सफलता के गुरुमंत्र देते हुए उनका मार्गदर्शन किया।"

यह समारोह न केवल विद्यार्थियों के सम्मान का अवसर बना, बल्कि समाज के लिए एक प्रेरणादायी मंच भी सिद्ध हुआ, जहाँ से युवाओं को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली।

इस प्रकार, अग्र मेधा सम्मान समारोह ने एक बार पुनः यह सिद्ध किया कि सही मार्गदर्शन, प्रोत्साहन और सम्मान से युवा पीढ़ी को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया जा सकता है।

महाराजा अग्रसेन धाम
सेवा, शिक्षा, चिकित्सा व ज्ञान का श्रद्धास्थल

भक्ति की धारा में समर्पण का संगम – महारुद्राभिषेक 2025

“जहाँ ‘ॐ नमः शिवाय’ की गूंज होती है, वहाँ हर मन शिवमय हो उठता है।”

सावन के पवित्र और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर महीने में, बगनान स्थित महाराजा अग्रसेन धाम के प्रांगण में दिनांक 3 अगस्त 2025 को श्रद्धा, भक्ति और दिव्यता से ओतप्रोत महारुद्राभिषेक का भव्य आयोजन संपन्न हुआ।

इस पावन अवसर पर धाम के 21 ट्रस्टीज यजमान के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने पूर्ण विधि-विधान एवं आस्था के साथ भगवान शिव का अभिषेक किया। यह दृश्य न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक था, बल्कि सामूहिक समर्पण और एकता का भी सुंदर उदाहरण प्रस्तुत कर रहा था।

पूजन का संपूर्ण कार्यक्रम श्री अशोक जी शास्त्री के सान्निध्य में 21 विद्वान पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार एवं शिव स्तुति के साथ सम्पन्न हुआ। जैसे-जैसे मंत्रों की पवित्र ध्वनि वातावरण में गूंजती रही, वैसे-वैसे पूरा परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर होता चला गया। घंटे-घड़ियाल की मधुर ध्वनि और “ॐ नमः शिवाय” के सामूहिक जयकारों ने ऐसा वातावरण निर्मित किया, मानो सम्पूर्ण धाम शिवमय हो उठा हो।

धाम के अन्य ट्रस्टीगण, सदस्य एवं उनके परिजन भी इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और उन्होंने श्रद्धा भाव से रुद्राभिषेक में सहभागिता करते हुए महादेव का आशीर्वाद प्राप्त किया। भक्तों के चेहरों पर भक्ति, शांति और संतोष की स्पष्ट झलक देखने को मिल रही थी।

इस आयोजन में केवल पूजा-अर्चना ही नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और आंतरिक संतुलन का अनुभव भी सभी को प्राप्त हुआ। रुद्राभिषेक के दौरान उपस्थित प्रत्येक श्रद्धालु ने स्वयं को एक दिव्य और सकारात्मक ऊर्जा से जुड़ा हुआ अनुभव किया।

कार्यक्रम के समापन पर सभी श्रद्धालुओं ने फलाहार एवं प्रसाद ग्रहण किया, जिससे यह आध्यात्मिक आयोजन एक स्नेहपूर्ण और सामूहिक मिलन के रूप में भी परिवर्तित हो गया।

यह आयोजन न केवल भक्ति और आस्था का अद्वितीय संगम रहा, बल्कि सभी उपस्थित जनों के लिए आध्यात्मिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा और दिव्य अनुभव का एक अविस्मरणीय अवसर सिद्ध हुआ।

सावन की फुहारों में जब परंपरा और उत्साह मिलते हैं, तब बनता है एक यादगार उत्सव।

जुलाई माह की रिमझिम फुहारों के बीच महाराजा अग्रसेन धाम की महिला समिति द्वारा 4A शॉर्ट स्ट्रीट स्थित गणपति बैंक्वेट में प्रथम भव्य सिंधारा एवं तीज उत्सव **"सुरंगो सावन"** का आयोजन अत्यंत उत्साह और गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन एवं गणेश वंदना के साथ हुआ। भजन गायिका श्रीमती कविता अग्रवाल की मधुर प्रस्तुतियों एवं राजस्थानी लोकगीतों ने पूरे वातावरण को तीज और सावन के रंगों से सराबोर कर दिया।

सिंदूर, मेहंदी, चूड़ियाँ, पारंपरिक साड़ियाँ और लहरियों से सजी महिलाओं की उपस्थिति इस आयोजन की सबसे आकर्षक झलक रही। यह महिला समिति का पहला सिंधारा उत्सव था, जहाँ परंपरा, आत्मीयता और उल्लास का सुंदर संगम देखने को मिला।
इस अवसर पर मुख्य अतिथि **रुचिका गुप्ता** जी का मंत्री सरिता सराफ जी द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम में हाऊजी, नेम बिंगो, "रिश्ता क्या कहलाता है" एवं "सास की सजावट" जैसे मनोरंजक खेलों ने उत्सव में और भी ऊर्जा भर दी।

अध्यक्ष सुमन जालान जी, मंत्री सरिता सराफ जी एवं पूरी टीम के प्रयासों से यह आयोजन अत्यंत सफल और यादगार बना। कार्यक्रम का संचालन यामी लखोटिया द्वारा अत्यंत प्रभावी ढंग से किया गया। संयुक्त मंत्री प्रेम क्याल जी एवं महामंत्री निर्मल सराफ जी ने इसे महिला समिति की वार्षिक गतिविधियों की सशक्त शुरुआत बताया।

महाराजा अग्रसेन धाम के माननीय ट्रस्टीगण की उपस्थिति ने आयोजन की गरिमा को और बढ़ाया।
"सुरंगो सावन" केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि परंपरा, एकता और महिला सशक्तिकरण का एक जीवंत उदाहरण बनकर उभरा।

महाराजा अग्रसेन जन्ममहोत्सव 2025

“समरसता, सेवा और उदारता के प्रतीक भगवान अग्रसेन जी के आदर्श आज भी समाज का मार्गदर्शन करते हैं।

भगवान अग्रसेन जी, जिन्हें अग्रवाल समाज के संस्थापक एवं लोककल्याणकारी शासन के प्रतीक के रूप में जाना जाता है, उनका जन्मोत्सव प्रत्येक वर्ष **आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा (अग्रसेन जयंती)** के रूप में बड़े श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। उनके द्वारा स्थापित “एक रुपया – एक ईंट” की परंपरा आज भी समाज में सहयोग, समरसता और सेवा भावना का प्रेरणास्रोत है।

इसी प्रेरणा को आत्मसात करते हुए, इस वर्ष महाराजा अग्रसेन धाम द्वारा महाराजा अग्रसेन जन्ममहोत्सव को अत्यंत भव्य और प्रेरणादायी रूप में आयोजित किया गया।

जन्ममहोत्सव के प्रथम दिवस, 20 सितंबर 2025 को बगनान स्थित महाराजा अग्रसेन धाम परिसर में सेवा का एक विशाल और प्रेरणादायी महाकुंभ आयोजित किया गया।

पूरे परिसर में सेवा, करुणा और समर्पण की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थी, जहाँ विभिन्न सामाजिक सेवाओं के माध्यम से 1500 से अधिक लोगों ने लाभ प्राप्त किया।

इस अवसर पर नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श शिविर, महिलाओं हेतु साड़ी वितरण, जरूरतमंदों के लिए भोजन सेवा तथा दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग वितरण जैसी सेवाएँ प्रदान की गईं। साथ ही, आमजन के लिए शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने हेतु **आरओ जल संयंत्र** का उद्घाटन भी किया गया, जिसने इस आयोजन को और अधिक सार्थक बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय विधायक **श्री अरुणाभ सेन (राजा दा)** द्वारा किया गया, जिन्होंने इस सेवा पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए अत्यंत प्रेरणादायी बताया।

जन्ममहोत्सव के दूसरे दिवस, 22 सितंबर 2025 को धाम के रजिस्टर्ड कार्यालय में एक गरिमामयी एवं भावनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत भगवान अग्रसेन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पण के साथ हुई। उपस्थित सभी सदस्यों ने उनके आदर्शों समरसता, सेवा, उदारता एवं न्याय को नमन करते हुए समाज सेवा की इस परंपरा को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर दो महत्वपूर्ण और दूरदर्शी पहलों का शुभारंभ किया गया **“Maharaja Agrasain UPSC Academy”,** जो युवाओं को उच्चस्तरीय मार्गदर्शन प्रदान करेगी, तथा
“**गठबंधन” – Agarwal Samaj Matrimony Platform**, जो समाज के युवाओं के लिए एक सशक्त और विश्वसनीय मंच सिद्ध होगा।

कुछ प्रमुख झलकियाँ

महाराजा अग्रसेन धाम
वार्षिक साधारण सभा

महोत्सव

आर.ओ. प्लांट का शुभारंभ

महाराजा अग्रसेन धाम में इस वर्ष भगवान अग्रसेन जन्मोत्सव के पावन अवसर पर एक महत्वपूर्ण जनसेवा पहल के रूप में आर.ओ. जल शुद्धिकरण प्लांट का शुभारंभ किया गया। इस सेवा कार्य का उद्घाटन बगनान के माननीय विधायक श्री अरुणाभ सेन (राजा दा) के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ।

यह पहल धाम की उस निरंतर सेवा भावना का प्रतीक है, जिसका उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक मूलभूत सुविधाएँ पहुँचाना है। आर.ओ. प्लांट की स्थापना से अब स्थानीय क्षेत्र के लोगों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो सकेगा, जो स्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है।

इस शुभ अवसर पर अनेक गणमान्य व्यक्तियों एवं समाज के सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम को मीडिया एवं प्रेस द्वारा भी कवर किया गया, जिससे इस जनहितकारी कार्य की जानकारी व्यापक स्तर पर लोगों तक पहुँची।

महाराजा अग्रसेन धाम सदैव समाज की आवश्यकताओं को समझते हुए सेवा कार्यों को प्राथमिकता देता आया है। यह आर.ओ. प्लांट न केवल एक सुविधा है, बल्कि समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी और समर्पण का सशक्त उदाहरण भी है।

धाम का उद्देश्य है कि ऐसे सेवा कार्यों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया जाए और समाज को स्वस्थ, सशक्त एवं समृद्ध बनाया जाए।

वार्षिक साधारण सभा (AGM)

महाराजा अग्रसेन धाम की ट्रस्टीयों की वार्षिक साधारण सभा (AGM) दिनांक शनिवार, 27 सितम्बर 2025 को धाम के पंजीकृत कार्यालय (ओम टॉवर, 32 चौरंगी रोड) में धाम के अध्यक्ष श्री ओम जालान की अध्यक्षता में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुई।

सभा में वर्ष 2024-25 का लेखा-जोखा एवं ऑडिटेड रिपोर्ट धाम के कोषाध्यक्ष श्री अनिल केडिया द्वारा सभी ट्रस्टीयों के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जिसे उपस्थित सभी ट्रस्टीयों की सर्वसम्मति से पारित किया गया।

धाम के महा-मंत्री श्री निर्मल सराफ ने सभा में उपस्थित सभी ट्रस्टीयों को वर्ष 2024-25 की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी तथा वर्तमान वर्ष 2025-26 में हो रही एवं होने वाली सभी योजनाओं एवं गतिविधियों की जानकारी भी साझा की।

इस सभा में धाम की दो नई योजनाओं – **"UPSC अकादमी" एवं "गठबंधन – अग्रसेन समाज मैट्रिमोनी**" का औपचारिक शुभारंभ किया गया। इसके पश्चात सभी ट्रस्टीयों के समक्ष डायरेक्टरी के कवर पृष्ठ की पहली झलक भी प्रस्तुत की गई।

सभा के अंत में धाम के सह-मंत्री श्री अशोक चुड़ीवाला ने सभी ट्रस्टीयों का धन्यवाद ज्ञापन दिया | इस सभा में लगभग 50 ट्रस्टी उपस्थित रहे।

अग्र गौरव सम्मान - 12 December 2025
Kala Mandir Auditorium

"समाज को आगे बढ़ाने वाले वे लोग होते हैं, जो अपने कर्म, समर्पण और उपलब्धियों से दूसरों के लिए प्रेरणा का मार्ग प्रशस्त करते हैं।"

समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले और अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त करने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित करना किसी भी संस्था के लिए गर्व का विषय होता है। इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए महाराजा अग्रसेन धाम द्वारा प्रतिवर्ष उन विशिष्ट व्यक्तियों को **"अग्र गौरव सम्मान"** प्रदान किया जाता है, जिन्होंने सामाजिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और अपने कार्यों से समाज का नाम गौरवान्वित किया है।

इसी क्रम में अग्र गौरव सम्मान समारोह अत्यंत गरिमामय वातावरण में 13 दिसम्बर 2025 को प्रातः 10:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक कला मंदिर सभागार, कोलकाता में आयोजित किया गया। यह समारोह आध्यात्मिकता, समाज सेवा और उत्कृष्टता के संगम का सुंदर उदाहरण रहा।

इसके साथ ही इस समारोह में एक अत्यंत विशेष और भावनात्मक क्षण भी रहा, जब **"अग्र रत्न सम्मान"** प्रदान किया गया। यह सम्मान ऐसे कर्मयोगी व्यक्तित्व को मरणोपरांत दिया जाता है, जिन्होंने अपने जीवनकाल में समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और स्थायी योगदान दिया हो।

इस भव्य आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की पूज्य संतों के पावन सान्निध्य ने। **समारोह में पूज्य स्वामी श्री गिरिशानन्द जी सरस्वती, स्वामी श्री निरंजनानन्द जी सरस्वती, स्वामी श्री मुक्तानंदपुरी जी महाराज तथा श्री संविदानंद जी सरस्वती** की दिव्य उपस्थिति ने पूरे कार्यक्रम को आध्यात्मिक ऊर्जा और प्रेरणा से भर दिया। उनके आशीर्वचन और मार्गदर्शन ने उपस्थित सभी लोगों को समाज सेवा, संस्कार और मानवता के मूल्यों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

इस वर्ष अग्र रत्न सम्मान के लिए कर्मयोगी **स्वर्गीय श्री बासुदेव जी टिकमानी** का चयन किया गया। स्व. बासुदेव जी टिकमानी ने समाज के उत्थान और शिक्षा के प्रसार के लिए जो संकल्प लिया, वह आज भी अनेक परिवारों के जीवन को रोशन कर रहा है। उनके संकल्प और समाज के सहयोग से अग्रसेन बॉयज़ स्कूल तथा अग्रसेन बालिका शिक्षा सदन विद्यालय की स्थापना हुई, जो आज भी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए शिक्षा के माध्यम से समाज की सेवा कर रहे हैं।

स्व. बासुदेव जी टिकमानी के इस अद्वितीय योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें अग्र रत्न सम्मान से मरणोपरांत सम्मानित किया गया। इस सम्मान को उनके पुत्र **श्री नवीन टिकमानी** ने अपने परिवार के साथ मंच पर उपस्थित होकर उनकी ओर से ग्रहण किया। यह क्षण अत्यंत भावुक और प्रेरणादायी था, जब पूरे सभागार ने तालियों के साथ उनके योगदान को श्रद्धापूर्वक नमन किया।

समारोह के दौरान समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विशिष्ट व्यक्तियों को "अग्र गौरव सम्मान" से अलंकृत किया गया। इस वर्ष कुल 7 प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों को इस सम्मान से सम्मानित किया गया। इनमें **श्री मनोज अग्रवाल, IAS को राष्ट्र सेवा में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त श्री अशोक कुमार तोड़ी, श्री गोपाल नरेड़ी, डॉ. महेश गोयनका (स्वास्थ्य क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए), श्री मुरारी लाल लोहिया, श्री रमेश कुमार सोन्थालिया तथा श्री अनुज डिडवानिया** को भी समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए अग्र गौरव सम्मान प्रदान किया गया।

यह समारोह केवल एक सम्मान कार्यक्रम नहीं था, बल्कि समाज के उन प्रेरणादायी व्यक्तित्वों को सम्मानित करने का एक मंच था, जिन्होंने अपने कर्म, समर्पण और सेवा भावना से समाज को नई दिशा दी है।

महाराजा अग्रसेन धाम का यह प्रयास समाज में उत्कृष्टता, सेवा और संस्कारों को प्रोत्साहित करने की एक महत्वपूर्ण पहल है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से संस्था समाज में सकारात्मकता, प्रेरणा और आदर्शों की परंपरा को निरंतर आगे बढ़ा रही है।

इस प्रकार अग्र गौरव सम्मान समारोह 2025 एक अत्यंत प्रेरणादायी और गरिमामय आयोजन के रूप में संपन्न हुआ, जिसने समाज के उन व्यक्तित्वों को सम्मानित किया जिनके कार्य आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक बनेंगे।

महाराजा अग्रसेन धाम द्वारा आयोजित समारोह में 13 दिसंबर 2025 को **पूज्य पद्मभूषण परमहंस परिव्राजकाचार्य स्वामी श्री निरंजनानन्द जी सरस्वती** के पावन करकमलों से **सं॰ श्री बसुदेव टिकमानी जी** का परिवार 'अग्र रत्न सम्मान' ग्रहण करते हुए—एक गौरवपूर्ण क्षण।

कर्मयोगी श्रद्धेय वासुदेव टिकमानी- शिक्षा और समाज के प्रति समर्पित व्यक्तित्व

श्रद्धेय वासुदेव टिकमानी जी का जीवन वास्तव में सादगी, सेवा और कर्तव्यनिष्ठा का एक उत्कृष्ट उदाहरण रहा है। राजगढ़ (बीकानेर) की धरती से निकलकर उन्होंने जिस प्रकार एक 'कर्मयोगी' के रूप में अपनी पहचान बनाई, वह न केवल टिकमानी परिवार के लिए बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

श्रद्धेय वासुदेव टिकमानी जी का जन्म 15 नवंबर 1946 को राजगढ़ (चूरू) में हुआ । प्रारंभिक शिक्षा लिलुआ (हावड़ा) में हुई और आगे की पढ़ाई कलकत्ता विश्वविद्यालय से संबद्ध लाल बाबा कॉलेज में पूर्ण की।

सं॰ वासुदेव टिकमानी जी एक दूरदर्शी, कर्मयोगी, समाजसेवी, ओजस्वी वक्ता और शिक्षाविद थे। उन्होंने शिक्षा और समाज सेवा को अपना जीवन समर्पित किया और हर क्षेत्र में नेतृत्व किया।

उनके प्रमुख योगदान:

- छात्र जीवन से ही नेतृत्व और सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका
- नवयुवक सेवा संघ को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करना
- हावड़ा चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की स्थापना में योगदान
- अग्रसेन एजुकेशन ट्रस्ट की स्थापना
- अग्रसेन बालिका शिक्षा सदन एवं अन्य शैक्षणिक संस्थाओं की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका
- एम.सी.के.वी. स्कूल, श्री अग्रसेन कॉलेज और द हेरिटेज स्कूल की स्थापना में योगदान
- लिलुआ क्षेत्र के विकास और शिक्षा के प्रसार में अग्रणी भूमिका

लिलुआ को शैक्षणिक केंद्र के रूप में विकसित करने में उनका योगदान अतुलनीय है। उन्होंने शिक्षा के दीप को प्रज्वलित कर समाज को नई दिशा दी।

निस्संदेह, वासुदेव टिकमानी जी हावड़ा क्षेत्र के मदन मोहन मालवीय के समान थे, जिनका जीवन समाज और शिक्षा के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

परम श्रद्धेय स्वामी **श्री गिरिशानन्द सरस्वती जी महाराज** के पावन करकमलों से **श्री मनोज अग्रवाल, IAS** को राष्ट्र सेवा में उनके उत्कृष्ट योगदान हेतु 'अग्र गौरव सम्मान' से सम्मानित किया गया।

श्री मनोज कुमार अग्रवाल भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) के 1990 बैच के पश्चिम बंगाल कैडर के अधिकारी हैं। उनका जन्म 8 जुलाई 1966 को हुआ। एक कुशल एवं सक्षम प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उन्होंने अपने कार्यों के माध्यम से विशिष्ट पहचान एवं सम्मान अर्जित किया है।

वर्तमान में वे पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव के पद पर कार्यरत हैं। पूर्व अप्रैल 2026 में वे पश्चिम बंगाल राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी जैसे महत्वपूर्ण पद पर कार्यरत रह चुके हैं। उनके नेतृत्व में राज्य में एस.आई.आर. का महत्त्वपूर्ण कार्य सुचारू एवं प्रभावी रूप से संचालित हुआ है, जो उनकी प्रशासनिक दक्षता और नेतृत्व क्षमता को दर्शाता है।

पूर्व में उन्होंने पश्चिम बंगाल सरकार में वन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, पर्सनल एवं एडमिनिस्ट्रेटिव रिफॉर्म्स तथा ई-गवर्नेंस विभाग के प्रिंसिपल सेक्रेटरी, तथा WBHDCL (West Bengal Housing Development Corporation Ltd.) के प्रबंध निदेशक के रूप में अपनी सेवाएँ दी हैं। इसके अतिरिक्त, उत्तर बंगाल विकास परिषद के प्रभारी के रूप में भी उन्होंने अपने कुशल नेतृत्व और कार्यकुशलता से पद की गरिमा को और ऊँचाई प्रदान की।

उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा ला मार्टिनियर कॉलेज, लखनऊ से प्राप्त की और उच्च अंकों के साथ बी.टेक की डिग्री हासिल की। वे बचपन से ही एक मेधावी छात्र रहे हैं। परंपरागत मार्ग से हटकर उन्होंने भारतीय प्रशासनिक सेवा जैसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्र को चुना और अपनी मेहनत एवं दृढ़ संकल्प के बल पर सफलता प्राप्त की।

उच्च प्रशासनिक पद पर आसीन होने के बावजूद उनका व्यक्तित्व अत्यंत सहज, सरल और विनम्र है। प्रशासनिक कार्यों में उन्हें दूरदर्शी, लगनशील एवं जुझारू अधिकारी के रूप में जाना जाता है, जो जटिल कार्यों के सफल निष्पादन और समयबद्ध निस्तारण के लिए प्रसिद्ध हैं।

महाराजा अग्रसेन धाम एवं समस्त अग्रवाल समाज को श्री मनोज कुमार अग्रवाल की उपलब्धियों पर गर्व है। उनका जीवन और कार्यशैली समाज के लिए एक प्रेरणास्रोत है।

परमहंस डॉ. स्वामी श्री मुक्तानंदपुरी जी महाराज के पावन करकमलों से
डॉ. महेश गोयनका 'अग्र गौरव सम्मान' प्राप्त करते हुए।

डॉ. महेश कुमार गोयनका चिकित्सा सेवा के क्षेत्र का एक अत्यंत सम्मानित और प्रतिष्ठित नाम हैं। उनका जन्म 28 अक्टूबर 1957 को महाराष्ट्र में हुआ। प्रारंभ से ही मेधावी और समर्पित व्यक्तित्व के धनी डॉ. गोयनका ने अपने कार्यों और उपलब्धियों के माध्यम से चिकित्सा जगत में एक विशिष्ट स्थान प्राप्त किया है।

वर्तमान में वे कोलकाता स्थित अपोलो मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में मेडिकल एजुकेशन विभाग के निर्देशक के रूप में कार्यरत हैं। इसके साथ ही वे इंस्टिट्यूट ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एंड लिवर ट्रांसप्लांट के प्रमुख एवं निर्देशक भी हैं। चिकित्सा क्षेत्र में उनके गहन ज्ञान और अनुभव ने उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है।

डॉ. गोयनका उन चुनिंदा भारतीय विशेषज्ञों में शामिल हैं, जिन्होंने अमेरिकन कॉलेज ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी तथा अमेरिकन कॉलेज ऑफ जी.आई. एंडोस्कोपी से उच्च प्रशिक्षण प्राप्त किया है। वर्ष 2023 में उन्हें अमेरिकन सोसाइटी ऑफ जी.आई. एंडोस्कोपी द्वारा इंटरनेशनल सर्विस अवार्ड से सम्मानित किया गया, जो उनके वैश्विक योगदान का प्रमाण है।

वे इंडियन सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के वर्ष 2021 के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने सोसाइटी ऑफ जी.आई. एंडोस्कोपी ऑफ इंडिया में भी महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएँ दी हैं। चिकित्सा क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा अनेक सम्मान प्राप्त हुए हैं, जिनमें लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड भी शामिल है।

डॉ. महेश कुमार गोयनका न केवल एक कुशल चिकित्सक हैं, बल्कि एक दूरदर्शी, समर्पित और प्रेरणादायी व्यक्तित्व भी हैं। उनकी सेवाएँ चिकित्सा जगत के साथ-साथ समाज के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।
महाराजा अग्रसेन धाम एवं समस्त अग्रवाल समाज को उनके कार्यों और उपलब्धियों पर गर्व है। उनका जीवन चिकित्सा सेवा, समर्पण और उत्कृष्टता का एक प्रेरणास्रोत है।

परम श्रद्धेय स्वामी **श्री गिरिशानन्द सरस्वती जी** महाराज के पावन करकमलों से **अशोक कुमार तोदी** 'अग्र गौरव सम्मान' प्राप्त करते हुए।

श्री अशोक कुमार तोदी का जन्म 17 सितम्बर 1958 को हुआ। उन्होंने कोलकाता के भवानीपुर कॉलेज से उच्च शिक्षा प्राप्त की। अपने पिता स्वर्गीय श्री गिरधारीलाल जी तोदी के पारंपरिक व्यवसाय से वे युवावस्था से ही जुड़ गए और अपने परिश्रम, दूरदर्शिता एवं नेतृत्व क्षमता से उसे नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया।

वर्तमान में वे देश की अग्रणी होजियरी एवं इनरवियर निर्माता कंपनी लक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन हैं। उनके कुशल नेतृत्व और व्यावसायिक समझ के कारण "लक्स कोज़ी" ब्रांड आज देश-विदेश में ग्राहकों की पहली पसंद बन चुका है। उन्होंने अपने व्यवसाय को न केवल राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई, बल्कि उसे वैश्विक मंच पर भी स्थापित किया।

व्यावसायिक सफलता के साथ-साथ श्री तोदी ने सामाजिक दायित्वों का भी सदैव निर्वहन किया है। वे विभिन्न सामाजिक एवं वाणिज्यिक संस्थाओं से सक्रिय रूप से जुड़े रहे हैं। वे भारत चेंबर ऑफ कॉमर्स के कार्यकारी सदस्य रह चुके हैं तथा वेस्ट बंगाल होजियरी एसोसिएशन के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी भी निभा चुके हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में भी उनका योगदान उल्लेखनीय रहा है। कोलकाता के प्रतिष्ठित संस्थान साउथ पॉइंट शिक्षा निकेतन के अध्यक्ष के रूप में (2017–19) उन्होंने अपनी सेवाएँ प्रदान कीं। इसके अतिरिक्त वे प्रेरणा फाउंडेशन एवं कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी के ट्रस्टी के रूप में भी समाजसेवा से जुड़े हुए हैं। वे अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य भी रह चुके हैं और कोलकाता की कई अन्य प्रतिष्ठित संस्थाओं से भी उनका जुड़ाव रहा है।

वर्ष 2023 में उनकी व्यावसायिक उपलब्धियों के लिए उन्हें ब्रिटेन की संसद (हाउस ऑफ लॉर्ड्स) में "भारत सम्मान" से सम्मानित किया गया, जो उनके अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उत्कृष्ट योगदान का प्रमाण है।

पूज्य बाल व्यास श्री श्रीकांत जी शर्मा के पावन करकमलों से **श्री अनुज डिडवानिया जी** 'अग्र गौरव सम्मान' प्राप्त करते हुए।

श्री अनुज डीडवानिया एक प्रतिष्ठित उद्योगपति एवं सम्मानित सामाजिक व्यक्तित्व हैं। उन्होंने बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त की है और अपने दूरदर्शी नेतृत्व एवं उत्कृष्ट कार्यों के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट पहचान स्थापित की है।

डीडवानिया ग्रुप के चेयरमैन के रूप में उन्होंने वाराणसी में अनेक प्रमुख वाणिज्यिक एवं आवासीय परियोजनाओं को सफलतापूर्वक विकसित किया है। रियल एस्टेट क्षेत्र में उनकी दूरदर्शिता और उत्कृष्ट कार्यशैली ने उन्हें विशेष पहचान दिलाई है। इसके अतिरिक्त, वे भारत के लोकप्रिय एफएमसीजी ब्रांड **'पारले जी'** की कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग यूनिट तथा सुविधा डायग्नोस्टिक सेंटर के संस्थापक एवं संचालक भी हैं।

वे कन्फेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन (क्रेडाई) पूर्वांचल के संरक्षक हैं तथा इस संस्था में चेयरमैन एवं अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएँ दे चुके हैं। वे विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं।

श्री डीडवानिया ने मारवाड़ी समाज संरक्षक मंडल के उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष तथा प्रभु नारायण सिंह यूनियन क्लब के अध्यक्ष एवं मंत्री के रूप में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके अतिरिक्त, वे अग्रसेन धाम, त्रिदेव मंदिर एवं श्री कृष्ण धर्मशाला के ट्रस्टी तथा रवीन्द्रपुरी कल्याण समिति के अध्यक्ष के रूप में भी समाजसेवा में सक्रिय हैं।

वे रोटरी क्लब एवं लायंस क्लब के माध्यम से भी निरंतर समाज सेवा में योगदान देते रहे हैं। साथ ही, इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन एवं महानगर उद्योग व्यापार समिति के उपाध्यक्ष तथा हनुमान प्रसाद पोद्दार अंध विद्यालय के सचिव के रूप में भी अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं।

उनके उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देते हुए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उन्हें पूर्वांचल के सर्वश्रेष्ठ बिल्डर के सम्मान से भी सम्मानित किया जा चुका है।

श्री अनुज डीडवानिया का व्यक्तित्व उद्योग, नेतृत्व और समाजसेवा का एक प्रेरणादायी संगम है, जो समाज के लिए एक आदर्श प्रस्तुत करता है।

पूज्य पद्मभूषण परमहंस परिव्राजकाचार्य स्वामी श्री निरंजनानन्द जी सरस्वती के पावन करकमलों से **श्री मुरारी लाल लोहिया जी** 'अग्र गौरव सम्मान' प्राप्त करते हुए।

श्री मुरारीलाल लोहिया देश के अग्रणी उद्योगपतियों में से एक प्रतिष्ठित एवं प्रेरणादायी व्यक्तित्व हैं। उन्होंने उच्च तकनीकी शिक्षा प्राप्त की और अपने करियर की शुरुआत हिन्दुस्तान डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड से की। अपनी अथक मेहनत, प्रबंधन कौशल और दूरदर्शिता के बल पर उन्होंने कंपनी के टर्नओवर को लगभग 15 करोड़ से बढ़ाकर 1000 करोड़ रुपये तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वर्ष 2006 में उन्होंने जुपिटर वैगन ग्रुप की स्थापना की, जो आज वैगन निर्माण के क्षेत्र में देश के अग्रणी औद्योगिक समूहों में गिना जाता है। उनके नेतृत्व में यह समूह निरंतर प्रगति करता हुआ आज एक सशक्त औद्योगिक पहचान बना चुका है, जिसका मार्केट कैप 26,000 करोड़ रुपये से अधिक आंका जाता है। उनकी कंपनी जुपिटर अलॉयज एंड स्टील (इंडिया) लिमिटेड भी इस क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों में शामिल है। इसके अतिरिक्त, उनका समूह कॉमर्शियल व्हीकल निर्माण से भी जुड़ा हुआ है।

व्यावसायिक सफलता के उच्च शिखर पर होने के बावजूद श्री मुरारीलाल लोहिया का व्यक्तित्व अत्यंत सरल, सहज, विनम्र और सदाशयी है। वे कोलकाता के प्रतिष्ठित ईस्ट बंगाल क्लब के अध्यक्ष हैं, जो उनके सामाजिक और नेतृत्वकारी योगदान को दर्शाता है। इसके साथ ही वे रोटरी क्लब, पदातिक एवं अनामिका कला संगम जैसी संस्थाओं से भी जुड़े हुए हैं तथा अक्षय पात्र फाउंडेशन के माध्यम से सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं।

श्री लोहिया का नाम हुरुन इंडिया रिच लिस्ट में भी शामिल रहा है, जो उनकी व्यावसायिक सफलता का प्रमाण है। उनका प्रतिष्ठान मुंबई स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध है तथा कोलकाता के अतिरिक्त जमशेदपुर, जबलपुर, इंदौर और बद्दी में उनके कई बड़े औद्योगिक इकाइयाँ स्थापित हैं। उनके समूह की वार्षिक उत्पादन क्षमता लगभग 10,000 वैगन है, जो अपने आप में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

श्री मुरारीलाल लोहिया का जीवन उद्योग, परिश्रम, विनम्रता और समाजसेवा का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

परमहंस डॉ. स्वामी श्री मुक्तानंदपुरी जी महाराज के पावन करकमलों से
श्री गोपाल नरेडी जी 'अग्र गौरव सम्मान' प्राप्त करते हुए।

श्री गोपाल नरेड़ी कोलकाता के औद्योगिक एवं सामाजिक क्षेत्र का एक सुप्रसिद्ध और सम्मानित नाम हैं। उनके पिता का नाम श्री सत्यनारायण नरेड़ी तथा माता का नाम श्रीमती गीता देवी नरेड़ी है। परिवारिक संस्कारों और मूल्यों से प्रेरित होकर उन्होंने अपने कार्यक्षेत्र में विशिष्ट पहचान स्थापित की है।

वे एक प्रतिष्ठित उद्योगपति, सफल निर्यातक एवं आई.एस.पी. ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। उनके कुशल नेतृत्व में संचालित आई.एस.पी. इंडस्ट्रियल लेदर ग्लोव्स निर्माण इकाई को विश्व की अग्रणी कंपनियों में गिना जाता है। उनके प्रतिष्ठान में 6000 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, जो उनके औद्योगिक विस्तार और प्रबंधन क्षमता का प्रमाण है। उद्योग क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें विभिन्न अवसरों पर भारत के राष्ट्रपति द्वारा तीन बार सम्मानित किया जा चुका है।

श्री नरेड़ी अपनी दूरदर्शिता, परिश्रम और नेतृत्व क्षमता के कारण न केवल औद्योगिक क्षेत्र में अग्रणी बने हुए हैं, बल्कि सामाजिक कार्यों में भी उनका योगदान अत्यंत सराहनीय है। उनकी देखरेख में "एकतारा" नामक विद्यालय का संचालन किया जा रहा है, जो शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके अतिरिक्त, वे धर्म, चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर योगदान देते रहे हैं।

वे महाराजा अग्रसेन धाम तथा लायंस क्लब काकुड़गाछी हॉस्पिटल के आजीवन ट्रस्टी के रूप में अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं। साथ ही, वे लायंस इंटरनेशनल के मेल्विन जोन्स फेलो सदस्य हैं तथा लायंस क्लब ऑफ काकुड़गाछी एवं पूर्वांचल नागरिक समिति जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं से भी सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं।

उनकी धर्मपत्नी श्रीमती ऊषा नरेड़ी भी सामाजिक कार्यों में उनका सहयोग करती हैं। श्री गोपाल नरेड़ी एक सकारात्मक सोच रखने वाले, अत्यंत उत्साही और मिलनसार व्यक्तित्व के धनी हैं, जिनका जीवन उद्योग और समाजसेवा का प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत करता है।

पूज्य बाल व्यास श्री श्रीकांत जी शर्मा के पावन करकमलों से **श्री रमेश कुमार सोन्थलिया जी** 'अग्र गौरव सम्मान' प्राप्त करते हुए।

श्री रमेश कुमार सोन्थलिया कोलकाता के प्रतिष्ठित उद्योगपति एवं समाजसेवी व्यक्तित्वों में से एक हैं। उनकी प्रारंभिक शिक्षा महेश्वरी विद्यालय में हुई तथा उन्होंने अपनी उच्च शिक्षा उमेश चन्द्र कॉलेज से प्राप्त की। शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात वे अपने पूज्य पिता श्री राधेश्याम जी सोन्थलिया के साथ पारिवारिक व्यवसाय से जुड़े और अपनी लगन, निष्ठा एवं परिश्रम से व्यवसाय को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

कुछ वर्षों के उपरांत उन्होंने यार्न के क्षेत्र में स्वतंत्र व्यवसाय प्रारंभ किया और अपनी दूरदर्शिता एवं व्यावसायिक कौशल के बल पर इस क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता अर्जित की। आज वे यार्न, फैब्रिक एवं गारमेंट्स निर्माण एवं व्यापार के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित एवं सफल उद्यमी के रूप में जाने जाते हैं।

व्यवसायिक उपलब्धियों के साथ-साथ श्री सोन्थलिया सामाजिक क्षेत्र में भी अत्यंत सक्रिय रहे हैं। वे कोलकाता यार्न मर्चेंट्स एसोसिएशन के सचिव एवं अध्यक्ष रह चुके हैं तथा चैम्बर ऑफ टेक्सटाइल्स एंड ट्रेड इंडस्ट्रीज (COTTI) के उपाध्यक्ष पद पर भी अपनी सेवाएँ दे चुके हैं।

इसके अतिरिक्त, वे श्री शिव शक्ति सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष, श्री शिव शक्ति सेवा समिति के उपाध्यक्ष, श्री बाल हनुमान मंडल सेवा ट्रस्ट (पाकुड़िया धाम) के मैनेजिंग ट्रस्टी, तथा महाराजा अग्रसेन धाम के ट्रस्टी के रूप में सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। वे वनबंधु परिषद, कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी एवं पूर्वांचल नागरिक समिति के आजीवन सदस्य हैं तथा गोलोक चाकुलिया एवं ध्यान फाउंडेशन के सहयोगी के रूप में भी सेवा कार्यों में निरंतर योगदान दे रहे हैं।

श्री रमेश कुमार सोन्थलिया का जीवन उद्योग, समर्पण और समाजसेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है। वे धर्म, शिक्षा, चिकित्सा एवं गौसेवा के क्षेत्र में निरंतर सेवा कार्य करते हुए समाज के लिए प्रेरणास्रोत बने हुए हैं।

सौहार्द और उल्लास का सुंदर संगम : महाराजा अग्रसेन धाम पिकनिक - 21 December 2025

“जब समाज के लोग एक साथ मिलकर समय बिताते हैं, तो आपसी संबंध और भी मजबूत हो जाते हैं।"

दिनांक 21 दिसंबर 2025 को महाराजा अग्रसेन धाम द्वारा आयोजित वार्षिक पिकनिक कार्यक्रम महाराजा अग्रसेन वाटिका में अत्यंत हर्षोल्लास और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में समाज के सदस्यों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और पूरे दिन आनंद, मेल-मिलाप तथा आत्मीयता का वातावरण बना रहा।

इस आयोजन को सफल बनाने में महिला समिति की विशेष भूमिका रही। महिला समिति की **अध्यक्षा श्रीमती सुमन जालान, महामंत्री श्रीमती सरिता सराफ, कोषाध्यक्ष श्रीमती निर्मला अग्रवाल, सह मंत्री श्रीमती प्रेम क्याल तथा सह कोषाध्यक्ष श्रीमती ममता केड़िया** का उल्लेखनीय योगदान रहा। इनके साथ-साथ महिला समिति की अन्य सक्रिय सदस्य **श्रीमती सुधा सोंथालिया, श्रीमती नीलम अग्रवाल, श्रीमती सुधा अग्रवाल** एवं अन्य कई सदस्यों ने भी पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस अवसर पर ट्रस्ट के **अध्यक्ष-श्री ओम जालान**, **महामंत्री श्री निर्मल सराफ**, **कोषाध्यक्ष श्री अनिल केड़िया** के साथ-साथ **श्री रमेश सोंथालिया**, **श्री कैलाश चंद्र क्याल**, **श्री रमेश केड़िया**, **श्री एन. के. अग्रवाल, श्री मनोज बगरिया, श्री बजरंग अग्रवाल, श्री अनिल सरायवाला** सहित अनेक ट्रस्टी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में लगभग 150–200 सदस्यों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। सभी ने मिलकर मनोरंजक गतिविधियों, स्वादिष्ट भोजन और आपसी बातचीत के माध्यम से इस दिन को यादगार बना दिया। पिकनिक का यह आयोजन केवल मनोरंजन का माध्यम ही नहीं रहा, बल्कि समाज के सदस्यों को एक-दूसरे के साथ जुड़ने और आपसी संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने का भी एक सुंदर अवसर बना।

उपस्थित सभी सदस्यों ने एक स्वर में कहा कि समाज में आपसी एकता और सहयोग की भावना को बनाए रखने के लिए ऐसे आयोजन समय-समय पर होते रहने चाहिए। महाराजा अग्रसेन धाम द्वारा आयोजित यह पिकनिक कार्यक्रम समाज में सौहार्द, अपनापन और एकजुटता का सुंदर प्रतीक बनकर सभी के मन में सुखद स्मृतियाँ छोड़ गया।

"संग-संग हँसी, खेल और अपनापन – यही है हमारा पिकनिक उत्सव"
सेवा, शिक्षा, चिकित्सा व ज्ञान का श्रद्धास्थल
महाराजा अग्रसेन धाम (महिला समिति)

PICNIC

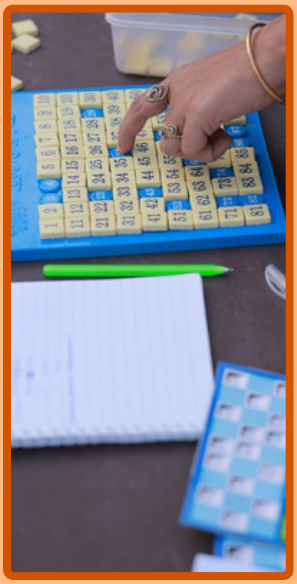

राष्ट्रभक्ति, संस्कार और समर्पण – गणतंत्र दिवस एवं स्वतंत्रता दिवस समारोह

“जब तिरंगा लहराता है, तब हर दिल में देशभक्ति की भावना जाग उठती है।”

महाराजा अग्रसेन धाम में प्रत्येक वर्ष **गणतंत्र दिवस** (26 जनवरी) एवं **स्वतंत्रता दिवस** (15 अगस्त) को अत्यंत श्रद्धा, गर्व और उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह आयोजन केवल एक औपचारिक समारोह नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति सम्मान, एकता और संस्कारों को सुदृढ़ करने का एक सशक्त माध्यम बनता है।

दोनों ही अवसरों पर धाम परिसर में ध्वजारोहण (Flag Hoisting) का कार्यक्रम गरिमामयी वातावरण में सम्पन्न होता है। तिरंगे के लहराते ही पूरा परिसर राष्ट्रभक्ति के भाव से ओतप्रोत हो उठता है और उपस्थित सभी सदस्य राष्ट्रगान के माध्यम से देश के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हैं।

इन आयोजनों की सबसे विशेष और भावनात्मक झलक होती है मनोविकास केंद्र के विशेष बच्चों की प्रस्तुति। इन बच्चों द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति गीत, नृत्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम न केवल मन को छू लेते हैं, बल्कि यह संदेश भी देते हैं कि प्रतिभा और भावना किसी सीमा की मोहताज नहीं होती। उनकी मासूम अभिव्यक्ति और उत्साह पूरे वातावरण को भावुक और प्रेरणादायी बना देता है।

धाम के ट्रस्टीगण, सदस्यगण, अभिभावक एवं स्थानीय नागरिक भी इन आयोजनों में उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं, जिससे यह समारोह एक सामूहिक उत्सव का रूप ले लेता है।

इन राष्ट्रीय पर्वों के माध्यम से धाम न केवल देशभक्ति की भावना को प्रोत्साहित करता है, बल्कि नई पीढ़ी में राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी, सम्मान और संस्कारों को भी सुदृढ़ करता है।

महाराज अग्रसेन जी: "श्रेष्ठ चरित्र" और "लोक-कल्याण" की शाश्वत प्रेरणा

महाराज अग्रसेन जी केवल एक महान शासक ही नहीं, बल्कि एक आदर्श पिता और समाज निर्माता भी थे। उन्होंने अपने बच्चों को राजा बनने की नहीं, बल्कि एक श्रेष्ठ, संवेदनशील और संस्कारी इंसान बनने की शिक्षा दी।

उनका विश्वास था कि एक मजबूत समाज की नींव अच्छे संस्कारों पर ही टिकती है। आइए जानें, उन्होंने अपने बच्चों में ये मूल्य कैसे विकसित किए—

संस्कारों की नींव: उनके जीवन के सिद्धांत

1. **स्वयं आदर्श बनकर-** महाराज अग्रसेन जी ने अपने जीवन में सत्य, सेवा और अनुशासन को अपनाया। वे मानते थे कि बच्चे वही सीखते हैं, जो वे अपने माता-पिता में देखते हैं।
2. **सत्य और ईमानदारी की शिक्षा-** उन्होंने अपने बच्चों को सिखाया—**"धन अर्जित करो, परंतु ईमानदारी के साथ।"** झूठ, छल और अनैतिक मार्ग से दूर रहना ही सच्ची सफलता का मार्ग है।
3. **अहिंसा और करुणा का भाव**- उनके अनुसार—**"वास्तविक शक्ति किसी को नुकसान पहुँचाने में नहीं, बल्कि उसकी रक्षा करने में है।"** उन्होंने बच्चों में जीवों और जरूरतमंदों के प्रति दया और संवेदना का भाव जागृत किया।
4. **सेवा भाव- महाराज अपने बच्चों को समाज के कामों में साथ ले जाते थे**— गरीबों की मदद, जरूरतमंदों को भोजन, न्याय करना
5. **अनुशासन और मर्यादा-** समय का पालन, शिक्षा के प्रति समर्पण, बड़ों का सम्मान—ये सभी उनके संस्कारों के अभिन्न अंग थे, जो जीवन को संतुलित और सफल बनाते हैं।
6. **ज्ञान + व्यवहार दोनों-** उन्होंने सिर्फ किताबों का ज्ञान नहीं, **बल्कि कैसे बोलना है, कैसे व्यवहार करना है**— ये भी सिखाया।
7. **विनम्रता का मूल्य-** महाराज अग्रसेन जी का मानना था—**"वही राजा महान है, जो विनम्र और सरल हो।"** उन्होंने अपने बच्चों को अहंकार से दूर रहकर नम्रता अपनाने की प्रेरणा दी।

सार

महाराज अग्रसेन जी ने अपने जीवन और शिक्षाओं के माध्यम से यह सिद्ध किया कि धर्म, दया, सेवा, सत्य और अनुशासन ही एक श्रेष्ठ जीवन के आधार हैं।

मारवाड़ी (अग्रवाल) समुदाय: इतिहास, प्रभाव और कहावत का अर्थ

- अग्रवंशी सुनिल कुमार खेतान (कलकत्ता)

कहावत का अर्थ और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

"जहाँ न जाये बैलगाड़ी, वहाँ जाये मारवाड़ी" कहावत मारवाड़ी व्यापारियों की अद्वितीय साहसिकता और व्यापारिक दूरदर्शिता को दर्शाती है। वे ऐसे स्थानों तक पहुँचे जहाँ न सड़कें थीं, न साधन, फिर भी उन्होंने व्यापारिक नेटवर्क, साख और स्थायित्व स्थापित किया।

पूर्वोत्तर भारत, बंगाल, असम जैसे क्षेत्रों में १८वीं-१९वीं सदी में मारवाड़ी व्यापारी पहुँचे और स्थानीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- ऊँटों, पैदल यात्रा और हुंडी प्रणाली के सहारे उन्होंने व्यापार को फैलाया।

प्रवास के कारण और व्यापारिक बदलाव

१९वीं सदी में मारवाड़ से बड़े पैमाने पर प्रवास हुआ:
- ब्रिटिश शासन में बंदरगाहों का उदय (मुंबई, कोलकाता) ने व्यापार के केंद्र बदल दिए।
- स्थानीय रियासतों में करों और असुरक्षा के कारण व्यापारियों ने ब्रिटिश संरक्षित क्षेत्रों की ओर रुख किया।

भारत में आर्थिक और सामाजिक प्रभाव

आर्थिक प्रभुत्व

- हुंडीप्रणाली में अग्रवालों की महारत ने उन्हें स्वदेशी बैंकिंग का स्तंभ बनाया।
- बिड़ला, बजाज, डालमिया, सिंघानिया, जिंदल जैसे घरानों ने औद्योगिक भारत की नींव रखी।
- स्टार्टअप युग में भी दबदबा: फ्लिपकार्ट, ओला, ज़ोहो जैसे ब्रांडों के पीछे अग्रवाल संस्थापक हैं।
- आयकर और GDP में योगदान: कुछ स्रोतों के अनुसार, भारत के आयकर का २४% और राष्ट्रीय विकास में २५% योगदान इसी समुदाय से आता है।

सामाजिक और राजनीतिक योगदान

स्वतंत्रता संग्राम में योगदान: जमनालाल बजाज, जी.डी. बिड़ला, लाला लाजपत राय जैसे अग्रवाल नेताओं ने गांधीजी को वित्तीय और नैतिक समर्थन दिया।
- परोपकार: BITS Pilani, अस्पताल, धर्मशालाएं ~ सब “एक रुपया एक ईंट” की भावना से निर्मित।

वैश्विक प्रभाव

एल.एन. मित्तल (ArcelorMittal) और अनिल अग्रवाल (Vedanta) जैसे उद्योगपति वैश्विक स्टील और खनन जगत में अग्रणी हैं।
- डायस्पोरा: अमेरिका, यूके, सिंगापुर में अग्रवाल समुदाय ने IT, रिटेल और फाइनेंस में गहरी पकड़ बनाई।

निष्कर्ष:

मारवाड़ी और विशेषकर अग्रवाल समुदाय ने रेगिस्तान से वैश्विक मंच तक की यात्रा की है।
"जहाँ न जाये बैलगाड़ी, वहाँ जाए मारवाड़ी" अब सिर्फ कहावत नहीं, बल्कि एक ऐतिहासिक सत्य और आर्थिक परंपरा का प्रतीक बन चुका है।

जय अग्रसेन || जय अग्रोहा || जय अग्रवाल

मीडिया जगत में महाराजा अग्रसेन धाम की झलक

अग्रसेन धाम के ट्रस्टियों की साधारण सभा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कोलकाता @ पत्रिका. महाराजा अग्रसेन धाम के ट्रस्टियों की वार्षिक साधारण सभा धाम के मुख्यालय में ओम जालान की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 का लेखा-जोखा एवं ऑडिट रिपोर्ट सह कोषाध्यक्ष अनिल केडिया ने प्रस्तुत की, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया।

धाम के मंत्री निर्मल सराफ ने गत वर्ष की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी देते हुए भावी योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट भी प्रस्तुत की, जिस पर सभी ने हर्ष प्रगट किया।

बागनान स्थित धाम परिसर में नियमित चल रही चिकित्सा सेवाओं की सभी ने सराहना की। बताना प्रासंगिक है कि हाल ही में अग्रसेन जयंती पर धा...

वार्षिक साधारण सभा में उपस्थित समाजजन।

...अकादमी एवं अग्रसेन समाज मेट्रोमोनी का विधिवत शुभारम्भ भी किया गया। वार्षिक सभा में लगभग 60 ट्रस्टी उपस्थित रहे, जिनमें मुख्य हैं ओम जालान, निर्मल सराफ, अनिल केडिया, भगवानदास अग्रवाल, अशोक चूड़ीवाला, दिनेश अडुकिया, सत्यनारायण देवरालिया, सुरेश कुमार अग्रवाल, मनोज बगड़िया, कैलाश कयाल, रमेश सोंथलिया, अशोक कुमार खजांची, श्यामसुन्दर टिकमानी, ... झुनझुनवाला, अमित केडिया, अशोक अग्र..., रामविलास ..., गोयनका, ... डोलिया, ... डालमिया ...

कोलकाता

महाराजा अग्रसेन धाम मानव सेवा का महाकुंभ

समाजसेवियों ने बताया भगवान अग्रसेन के आशीर्वाद का प्रतिफल

अग्रसेन धाम ने मनाया अग्रसेन का जन्मोत्सव

महाराजा अग्रसेन धाम द्वारा मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

उच्च शिक्षा से ही समाज व राष्ट्र का विकास सम्भव: गोपालिका

www.yuvashaktinews.com
कोलकाता | मंगलवार | 23 सितम्बर 2025

अग्रवाल समुदाय ने मनायी महाराजा अग्रसेन की जयंती

बागनान धाम पूरे भारत के लोगों के आकर्षण का केंद्र बनेगा : ओम जालान

एक पौराणिक कर्मयोगी थे महाराजा अग्रसेन : निर्मल सराफ

अग्रसेन धाम में महाशिव रुद्राभिषेक सम्पन्न

कोलकाता : बगनान स्थित महाराजा अग्रसेन धाम में महारुद्राभिषेक का आयोजन संपन्न हुआ। धाम के 21 ट्रस्टीगण यजमान के रूप में उपस्थित रहे। पं. अशोक जी शास्त्री के सानिध्य में 21 विद्वान पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार और शिव स्तुति के साथ पूजन सम्पन्न हुआ। यजमान जोड़ों के नाम सुमन-ओम जालान, सरिता-निर्मल सराफ, स्वाति-दीपक अग्रवाल, प्रेम-कैलाश कयाल, ममता-अनिल केडिया,

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को अग्र मेधा सम्मान

शिक्षा से ही समाज व राष्ट्र का विकास सम्भव : गोपालिका

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

हुगली. कोलकाता. महाराजा अग्रसेन धाम की ओर से कला मंदिर में आयोजित सारस्वत समारोह में समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को अग्र मेधा सम्मान से विभूषित किया गया। समारोह के प्रारम्भ में अग्रसेन बालिका शिक्षा सदन की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

समारोह की अध्यक्षता कर रहे बाल व्यास श्रीकान्त शर्मा ने अपने सम्बोधन में महाराजा अग्रसेन धाम के सेवा प्रकल्पों की प्रशंसा की और कहा कि समाज द्वारा प्रतिभा का सम्मान करने से बच्चों को प्रेरणा मिलती है। उन्होंने धाम के संस्थापक दिवंगत पुष्करलाल केडिया के सामाजिक योगदानों का भी जिक्र किया। धाम के अध्यक्ष ओम जालान ने वीडियो संदेश के माध्यम से विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं।

राज्य के पूर्व मुख्य सचिव व वर्तमान में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सलाहकार बीपी गोपालिका ने प्रतिभाशाली बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें वर्तमान दौर में शिक्षा का महत्व समझाते हुए प्रेरित किया। उन्होंने अग्रसेन धाम की सेवामूलक गतिविधियों की प्रशंसा की। युवा आईएस अंकिता अग्रवाल तथा सीएस ममता बिन्नाणी ने भी अपने सम्बोधन में विद्यार्थियों को प्रेरित किया। संस्था के मंत्री निर्मल सराफ ने अग्रसेन धाम की गतिविधियों का सविस्तार वर्णन किया। उन्होंने बताया कि धाम द्वारा शीघ्र ही चौरंगी स्थित विशाल कक्ष में यूपीएससी विद्यार्थियों के लिए कोचिंग सेंटर शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि धाम में सेवामूलक कई प्रकल्प नियमित सेवाएं दे रहे हैं, साथ ही विशाल चौहद्दी में बाउण्ड्री का कार्य भी सम्पत्ति की ओर है। धाम परिसर में महालक्ष्मी मंदिर निर्माण सम्बन्धी कार्रवाई गतिशील है। सराफ ने कहा कि मेधावी बच्चों को शिक्षा-सहयोग की दिशा में भी अग्रसेन धाम सचेष्ट है।

ये रहे मौजूद...

इस अवसर पर मुरारीलाल दीवान, भगवानदास अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, अनिल केडिया, अशोक चूड़ीवाला, विरमप्रकाश सुल्तानिया, सत्यनारायण देवरालिया, ब्रजमोहन गाड़ोदिया, विवेक अडुकिया, आनन्द केजरीवाल, विनोद अग्रवाल, गोपाल नरेड़ी, निरंजन कुमार अग्रवाल, सुरेश गोयल, विष्णु पोद्दार, बजरंग अग्रवाल, केशव बूबना, मनोहर अग्रवाल, सतीश झुनझुनवाला, रमेश बूबना, कैलाश कयाल, मनोज बगड़िया, महावीर सांवरिया, विजय डोकानिया, नरेश जालान, विनोद केडिया, बलदेव केडिया, पवन केडिया, अमित केडिया, सुनील धनानिया सरीखे विशिष्ट जन उपस्थित थे। आयोजन की व्यवस्था में तरुण सरिया और प्रकाश चण्डालिया की विशेष भूमिका रही।

महाराजा अग्रसेन जयन्ती पर सेवा शिविर का आयोजन

कोलकाता, 18 सितम्बर। महाराजा अग्रसेन धाम द्वारा अग्रसेन जयन्ती पर सेवामूलक आयोजन किए जाएंगे। इस आशय की जानकारी देते हुए धाम के अध्यक्ष ओम जालान एवं मंत्री निर्मल सराफ ने बताया कि बागनान स्थित धाम परिसर में शनिवार 20 सितम्बर को मेगा स्वास्थ्य परीक्षण, साड़ी वितरण एवं अन्नपूर्णा सेवा की जाएगी। आयोजन में बाल व्यास श्रीकान्त शर्मा का सानिध्य रहेगा। इसी दिन विधायक अरूणाभ सेन के करकमलों से नए आरओ प्लान्ट का उद्घाटन भी सितम्बर को कोलकाता स्थित अग्रसेन धाम के पंजीकृत कार्यालय में अग्रसेन जी महाराज का पूजन-अर्चन का कार्यक्रम रखा गया है। आयोजन की सफलता के लिए धाम के समस्त मार्गदर्शक, ट्रस्टी, पदाधिकारी एवं

जलते दीप

कोलकाता समाचार

सन्तवृन्द ने कहा : जो समाज सर्वहित की बात सोचता है, लक्ष्मी उससे कभी नहीं रूठती

महाराजा अग्रसेन धाम द्वारा भव्य 'अग्र गौरव सम्मान' समारोह संपन्न : समाज की विभूतियाँ सम्मानित

कोलकाता का कला मंदिर बना इतिहास का साक्षी; पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सहित कई हस्तियों का गौरवपूर्ण अभिनंदन

अग्रसेन धाम द्वारा अग्र रत्न एवं अग्र गौरव सम्मान का भव्य आयोजन

छपते छपते समाचार सेवा

अग्रसेन धाम महिला समिति ने किया सुरंगो सावन का आयोजन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अग्रसेन धाम महिला समिति द्वारा सुरंगो सावन का कार्यक्रम

कोलकाता, 25 जुलाई (नि.प्र.)। महाराजा अग्रसेन धाम महिला समिति द्वारा सावन और तीज उत्सव पर सुरंगो सावन का रंगारंग आयोजन किया गया। इस अवसर पर मनोहारी सांस्कृतिक गीतों से कार्यक्रम की शुरूआत हुई। महिलाओं ने उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। रंगारंग परिधान में सजी महिलाओं में राजस्थानी संस्कृति की छटा दिखाई पड़ रही थी। संस्था अध्यक्षा सुमन जालान व सरिता सराफ ने कहा कि हमारा समाज उत्सवधर्मी है। त्योहारों में श्रावण और श्रावण में महिलाओं के श्रृंगार का विशेष महत्व है।

आयोजन की सफलता हेतु सर्वश्रीमती सुमन जालान, निर्मला अग्रवाल, सरिता सराफ, प्रेम कयाल, सुनीता अड़ूकिया, ममता केडिया, बीना चूड़ीवाला, सुलेखा बगड़िया, अंजना अग्रवाल, सुधा सोंथलिया, इन्दू गोयल, ज्योति केजरीवाल, चित्रा कानोड़िया, नीलम अग्रवाल, रितिका टिकमानी, नीलू सुल्तानिया, सरिता अड़ूकिया, राज गोयनका, अमिता दीवान, नीलम मित्तल आदि सक्रिय थीं। महाराजा अग्रसेन धाम के मंत्री निर्मल सराफ, कोषाध्यक्ष श्यामसुन्दर अग्रवाल, सह कोषाध्यक्ष अनिल केडिया, ट्रस्टी सत्यनारायण देवरालिया, दीपक अग्रवाल, अशोक चूड़ीवाला भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

महाराजा अग्रसेन धाम द्वारा मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

कोलकाता, 23 जून (नि.प्र.)। महाराजा अग्रसेन धाम द्वारा कला मंदिर में आयोजित विशाल सारस्वत समारोह में समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को अग्र मेधा सम्मान से विभूषित किया गया। समारोह के प्रारम्भ में अग्रसेन बालिका शिक्षा सदन की छात्राओं ने अत्यन्त मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। समारोह की अध्यक्षता बाल व्यास श्रीकान्त शर्मा ने किया। धाम के अध्यक्ष ओम जालान ने वीडियो संदेश के माध्यम से विद्यार्थियों को शुभकामना दी। राज्य के पूर्व मुख्य सचिव व वर्तमान में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सलाहकार बीपी गोपालिका ने प्रतिभाशाली बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें वर्तमान दौर में शिक्षा का महत्व समझाते हुए प्रेरित किया। उन्होंने अग्रसेन धाम की सेवामूलक गतिविधियों की प्रशंसा की। युवा आई.ए.एस ... सीएस ममता बिन्नाणी ने भी अपने सम्बोधन ... किया। संस्था के कर्मठ मंत्री निर्मल सराफ ने अग्रसे... का सविस्तार वर्णन किया। इस अवसर पर सर्व... भगवानदास अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, अनि... चूड़ीवाला, बिरमप्रकाश सुल्तानिया, सत्यनारायण... गाड़ोदिया, विवेक अड़ूकिया, आनन्द केजरीवाल, ... नरेड़ी, निरंजन कुमार अग्रवाल, सुरेश गोयल, ... अग्रवाल, केशव बूबना, मनोहर अग्रवाल, सती... बूबना, कैलाश कयाल, मनोज बगड़िया, महाव... डोकानिया, नरेश जालान, विनोद केडिया, बलदेव ... थे। आयोजन की व्यवस्था में तरूण सरिया की ... कार्यक्रम का प्रभावशाली संचालन प्रकाश चण्डालि...

www.yuvashaktinews.com
कोलकाता | सोमवार | 23 जून 2025
विविधा

कला मंदिर में महाराजा अग्रसेन धाम की ओर से आयोजन

500 मेधावी विद्यार्थियों को दिया गया अग्र मेधा सम्मान

श्री राम चैरिटेबल ट्रस्ट के आयोजन में चली गौ कथा का समापन

एस. पी. के जैन ... परिवर्तनकारी शिक्षा ...

प्रभात खबर

सिटी बाइट्स

श्री महालक्ष्मी पाठ में शामिल महिलाएं

लेकटाउन में महालक्ष्मी पाठ का आयोजन

कोलकाता. श्री महालक्ष्मी पाठ का आयोजन महाराजा अग्रसेन धाम (महिला समिति) द्वारा अवनी ऑक्सफोर्ड, लेकटाउन में किया गया, जिसमें 108 महिलाओं ने पाठ किया. अध्यक्ष सुमन जालान के अनुसार पाठ वाचिका कविता अग्रवाल ने मंगल पाठ किया. संयोजकगण के रूप में आशा अशोक अग्रवाल, रिंकू राजेश भुवानिया, किरण मनोहर अग्रवाल, एकता सौरव झुनझुनवाला, रेखा राजेश अग्रवाल, प्रीति अमित सुरेका, सुनीता अमित केडिया ने हिस्सा लिया. पाठ को सफल बनाने में सरिता सराफ, बीणा चूड़ीवाला, सुनीता आड़ूकिया व स्वाति अग्रवाल ने सराहनीय भूमिका निभायी. महाराजा अग्रसेन धाम के सचिव निर्मल सराफ ने संस्था के सेवा योजनाओं की जानकारी दी.

महाराजा अग्रसेन धाम के ट्रस्टियों की वार्षिक साधारण सभा संपन्न

वर्ष 2024-25 का लेखा-जोखा एवं ऑडिटेड रिपोर्ट पा...

धाम की दो नई योजनाओं का औपचारिक शुभारंभ

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: महाराजा अग्रसेन धाम की ट्रस्टियों की वार्षिक साधारण सभा (एजीएम) दिनांक शनिवार, 27 सितम्बर को धाम के पंजीकृत कार्यालय (ओम टॉवर, 32 चौरंगी रोड) में अध्यक्ष ओम जालान की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। सभा में वर्ष 2024-25 का लेखा-जोखा एवं ऑडिटेड रिपोर्ट सह-कोषाध्यक्ष अनिल केडिया ने सभी ट्रस्टियों के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जिसे उपस्थित सभी ट्रस्टियों ने सर्वसम्मति से पारित किया गया। धाम के महा मंत्री निर्मल सराफ ने सभा में उपस्थित सभी ट्रस्टियों को वर्ष 2024-25 की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी तथा वर्तमान वर्ष 2025-26 में हो रही एवं होने वाली सभी ...

महाराजा अग्रसेन धाम में लगा सेवा का कुम्भ

स्वास्थ्य शिविर, साड़ी, कृत्रिम अंग वितरण

कोलकाता, 20 सितम्बर (नि.प्र.)। बागनान स्थित महाराजा अग्रसेन धाम में शनिवार को महाराजा अग्रसेन जयन्ती के उपलक्ष्य में सेवा का महाकुम्भ लगा, जिसमें निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, साड़ी वितरण, कृत्रिम अंग वितरण तथा भोजन वितरण किया गया। इस अवसर पर शुद्ध पेयजल के आरओ संयत्र का उदघाटन स्थानीय विधायक अरूणाभ सेन ने किया। सुबह से शाम तक लगभग पांच हजार लोगों ने सेवाओं का लाभ उठाया। समारोह के प्रारम्भ में महाराजा अग्रसेन धाम के चेयरमैन ओम जालान, मंत्री निर्मल सराफ तथा ट्रस्टीवृन्द ने दीप प्रज्वलित किया। रिटायर्ड आईआरएस सुशान्त भट्टाचार्य ने उपस्थित लोगों को ... अवसर पर उपस्थित विशिष्ट जनों में भगवानदास अग्रवाल, अनिल केडिया, सुशील हीरावत, अशोक चूड़ीवाला, एन.के. अग्रवाल, सुधा अग्रवाल, अनिल सरायवाला, गोपीकिशन केडिया, सुशील मित्तल, संजय सोंथलिया, गोपाल केडिया, पुरुषोत्तम अग्रवाल, आशीष लड़िया, ... खेतान आदि रहे। आयोजन की सफलता हेतु तरूण कुमार सरिया, गीतिका अग्रवाल, शिल्पा अग्रवाल आदि ने सक्रिय भूमिका निभाई।

महाराजा अग्रसेन धाम के मंत्री निर्मल सराफ ने बताया कि आगामी सोमवार को धाम के कोलकाता स्थित मुख्यालय में महाराजा ...

महाराजा अग्रसेन जयन्ती पर कई कार्यक्रम

कोलकाता, 18 सितम्बर (नि.प्र.)। महाराजा अग्रसेन धाम द्वारा अग्रसेन जयन्ती पर सेवामूलक आयोजन किए जाएंगे। इस आशय की जानकारी देते हुए धाम के अध्यक्ष ओम जालान एवं मंत्री निर्मल सराफ ने बताया कि बागनान स्थित धाम परिसर में शनिवार 20 सितम्बर को मेगा स्वास्थ्य परीक्षण, साड़ी वितरण एवं अन्नपूर्णा सेवा की जाएगी। आयोजन में बाल व्यास श्रीकान्त शर्मा का सानिध्य रहेगा। इसी दिन विधायक अरूणाभ सेन के करकमलों से नए आरओ प्लान्ट ...दघाटन भी होगा। सोमवार 22 सितम्बर को कोलकाता स्थित अग्रसेन ... के पंजीकृत कार्यालय में अग्रसेन जी महाराज का पूजन-अर्चन का ...क्रम रखा गया है। आयोजन की सफलता के लिए धाम के समस्त ...र्शक, ट्रस्टी, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सक्रिय हैं।

अग्रसेन धाम का अग्र रत्न एवं अग्र गौरव सम्मान का भव्य आयोजन

स्व. श्यामसुन्दर अग्रवाल को दी गई श्रद्धांजलि

कोलकाता (सेवा संसार)। सुपरिचित समाजसेवी व उद्योगपति स्व. श्यामसुन्दर अग्रवाल की स्मृति में महाराजा अग्रसेन धाम में आयोजित श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता करते हुए बाल व्यास पं. श्रीकान्त शर्मा ने स्व. अग्रवाल को पुण्यात्मा कहा। उन्होंने कहा कि स्व. अग्रवाल अत्यन्त विनम्र, सरल व दूरदर्शी समाजसेवी थे। धाम के अध्यक्ष ओम जालान ने कहा कि वे धाम के कोषाध्यक्ष ही नहीं, एक मजबूत स्तम्भ थे। सभी लोगों के प्रति उनके हृदय में अपार स्नेह था और वे धाम की प्रगति के लिए जीवन की अंतिम सांस तक सक्रिय रहे। संस्था के मंत्री निर्मल सराफ ने कहा कि स्व. श्याम बाबू अभिभावकस्वरूप थे। वृद्धावस्था के बावजूद वे रोजाना धाम कार्यालय में आकर अपना दायित्व निभाते थे। श्याम बाबू के प्रति उद्गार प्रगट करते हुए उनके नेत्र सजल हो उठे। बताना प्रासंगिक है कि वर्ष 2015 में अग्रसेन धाम के प्रारम्भिक चरण में ही उन्होंने मेडिकल सेंटर की स्थापना करके अपनी उदार एवं जनहितकारी भावनाओं का परिचय दिया।

स्व. अग्रवाल को श्रद्धांजलि देने के लिए उपस्थित लोगों में प्रमुख थे सर्वश्री मुरारीलाल दीवान, राधेश्याम गोयनका, विश्वनाथ सेक्सरिया, सज्जन भजनका, नन्दलाल रूंगटा, अनिल केडिया, सत्यनारायण देवरालिया, अशोक तोदी, अशोक चूड़ीवाला, भगवानदास अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, दिनेश अड़ूकिया, बिरमप्रकाश सुल्तानिया, विष्णु फोगला, विवेक अड़ूकिया, कैलाश कयाल, रमेश सोन्थलिया, मनोज बगड़िया, विनोद केडिया, संजय गोयनका, पवन टीबड़ेवाला, बजरंग अग्रवाल, पवन माधोगढ़िया, केशव बूबना, जेपी अग्रवाल, महावीर सांवरिया, प्रमोद ड्रोलिया, अजय अग्रवाल, मुकेश गोयल, अनिल सरायवाला, रमेश केडिया, सुशील हीरावत, पत्रकार प्रकाश चण्डालिया तथा संजय हरलालका, ललित प्रह्लादका, अंजनी धानुका, अशोक अग्रवाल, बलराम अग्रवाल, सुशील मित्तल, डा. विकास अग्रवाल, अमर भरतिया, रतन शाह, संदीप गर्ग, मनोज बंका, सुनील खेतान, गणेश अग्रवाल, मनमोहन केडिया, लक्ष्मण अग्रवाल आदि। सभा के अन्त में एक मिनट का मौन रखा गया तथा एक शोक प्रस्ताव पारित कर स्व. अग्रवाल के सुपुत्र अभिनव अग्रवाल को सौंपा गया।

कोलकाता | शुक्रवार | 19 सितम्बर 2025
विविधा
युवा शक्ति

महाराजा अग्रसेन जयन्ती समारोह

युवा शक्ति न्यूज / कोलकाता: महाराजा अग्रसेन धाम द्वारा अग्रसेन जयन्ती पर सेवामूलक आयोजन किए जाएंगे। ...

जितो कोलकाता द्वारा सामूहिक क्षमोत्सव समारोह 21 सितम्बर को

अग्रसेन धाम द्वारा अग्र रत्न व अग्र गौरव सम्मान का भव्य आयोजन

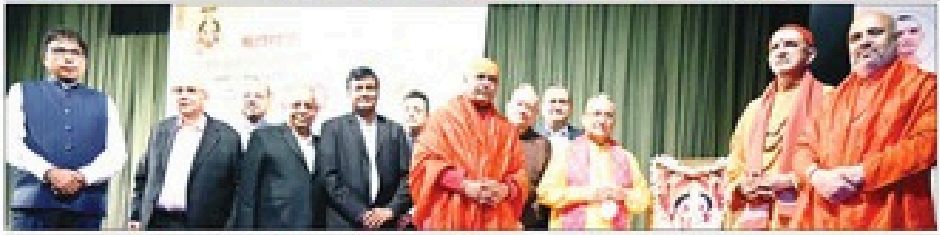

समाज सेवा, शिक्षा व राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वाले विशिष्ट व्यक्तित्व हुए सम्मानित

कोलकाता (राष्ट्रीय संवाददाता)। जब समाज अपने कर्मनिष्ठों का सम्मान करता है, तो उसका मान और गौरव स्वतः बढ़ता है। भारतीय समाज की मूल अवधारणा वसुधैवकुटुम्बकम पर आधारित है, जिसे वसुधैव कुटुम्बकम् के रूप में परिभाषित किया गया है। यह विचार पांच हजार वर्ष पूर्व सूर्यकुल गौरव महाराजा अग्रसेन जी ने भी समाज को दिया था। यह गर्व का विषय है कि अग्रवाल समाज के लोग जहां भी हैं, वहां अपनी मेहनत और लगन से सफलता अर्जित करने के साथ-साथ समाज सेवा में भी अहम भूमिका निभाते हैं।

फरवाईस जीडाउकाचार्य स्वामी निरंजनानन्द जी महाराज ने ने उद्घाटन महाराजा अग्रसेन जी द्वारा प्रवर्तित अग्र सम्मान समारोह 2025 के शुभ अवसर पर व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि धर्म, शिक्षा, चिकित्सा, गोसेवा सहित सभी सेवा-प्रकल्पों में अग्रवाल समाज का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इस अवसर पर स्वामी गिरिशानंद सरस्वती तथा स्वामी डॉ. सुखानंदपुरी ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि जो समाज समर्पित की भावना से कार्य करता है, उसकी उन्नति कभी विमुख नहीं होती। भारत स्वाभिमान श्रीकांत शर्मा ने कहा कि अग्रवाल समाज निरंतर गतिशील है, क्योंकि इसके लोग धर्मपथ का अनुसरण करते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं।

समारोह के प्रारंभ में संस्था के अध्यक्ष ओम जालान ने कहा कि चयन समिति द्वारा प्रतिवर्ष ऐसे व्यक्तियों का चयन किया जाता है, जो अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता के साथ समाजहित को भी प्राथमिकता देते हैं। संस्था के मंत्री निर्मल सराफ ने बताया कि अग्रसेन धाम का मुख्य उद्देश्य सेवा, शिक्षा, चिकित्सा और ज्ञान के विस्तार के लिए निरंतर कार्य करना है। सम्मान समारोह में स्वर्गीय बाबूदेव टिकमानी को अग्र रत्न सम्मान प्रदान किया गया। वहीं राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल (आइएएस), वरिष्ठ सर्जन डॉ. महेश गोयनका, मुरलीधर लोहिया, आलोक मोदी, गोपाल पोद्दार, रमेश श्री अग्रिया एवं अतुल डालमिया को अग्र गौरव सम्मान से अलंकृत किया गया। संन्यासीन संतवृंद ने सभी सम्मानितजनों को शॉल, स्मृति-चिह्न और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। सम्मान प्राप्त करने के बाद अपने संबोधन में राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा कि व्यक्ति चाहे कितने ही ऊंचे पद पर क्यों न पहुंच जाये, वह समाज का ऋण नहीं चुका सकता। उन्होंने बताया कि अग्रसेन धाम द्वारा मुफ्तिलाभी अभ्यर्थियों के लिए शुरू की गयी कोचिंग में वह स्वयं यथासंभव मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

इस अवसर पर राधेश्याम गोयनका, मुरलीधर दीवान, भगवानदास अग्रवाल, जगन्नाथ देवड़ालिया, जगदीशलाल मोदी, कृष्णमोहन पाड़ोदिया, दिनेश अड़ुकिया, किशन प्रकाश सुरानलिया, कैलाश अग्रवाल, मनोज कानोड़िया, विनोद अड़ुकिया, निरंजनीलाल गोयनका, कैलाश कुमार, विनोद गुप्ता, रमेश सरावगी, संजय सिंहानिया, अभिनव अग्रवाल, निरंजन कुमार अग्रवाल, ललित पवन पुरोहित, नवीन टिकमानी, सुरेंद्र अग्रवाल, प्रमोद झुनझुनवाला सहित समाज के अनेक विशिष्ट एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे। आयोजन की सफलता में संस्था के कोषाध्यक्ष अनिल केडिया, आलोक चूड़ीवाला, दीपक अग्रवाल, बजरंग अग्रवाल, महेश मुकावल, अमित केडिया, सुमन जालान, ललिता जालान, विनोद अग्रवाल, प्रेम कनवाल, सीमा चूड़ीवाला, ममता केडिया, स्वाति अग्रवाल, सबीना दीवान, सुनीता बगड़िया समेत अनेक कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका रही। कार्यक्रम का कुशल संचालन प्रकाश चांडालिया ने किया।

।। श्री अग्रसेन जयते ।।

महाराजा अग्रसेन धाम

सेवा, शिक्षा, चिकित्सा व ज्ञान का श्रद्धास्थल

Our Key Facilities

मेडिकल सेंटर

मनोविकास सेवा केंद्र

दिव्यांग सेवा केंद्र

वाटिका

कौशल विकास केन्द्र

अग्रकुल देवी महालक्ष्मी मंदिर

वरिष्ठ नागरिक निकेत

प्राकृतिक चिकित्सालय एवं योग केंद्र

विद्यालय

गोशाला

हवेली

विवाह भवन

Benefits of Life Membership

- Enjoy lifetime benefits and privileges for a one-time contribution.
- Invitations to special events, priority bookings, and recognition in member circles.
- Be part of a mission that creates real impact across healthcare, education, environment, and tradition.
- Networking: Join a respected community of like-minded individuals, professionals, and philanthropists.
- Exclusive Perk: Life members enjoy an additional 10% discount on bookings.

For more details please contact:

Mobile: +91 7980109085
E-mail: maharajaagrasain@gmail.com

महाराजा अग्रसेन मेडिकल सेंटर

स्व श्याम सुन्दर जी अग्रवाल द्वारा निर्मित, यह अस्पताल
जनसाधारण को निःशुल्क सेवा प्रदान कर रहा है।

मेडिकल सेंटर में समय-समय पर विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं, जिनमें प्रमुख हैं -

- ओपीडी सेवाएँ
- दंत चिकित्सा
- फिजियोथेरेपी
- होम्योपैथिक चिकित्सा
- गाइनाकोलॉजिस्ट परामर्श
- नेत्र जाँच, ऑपरेशन
- चश्मा वितरण
- सम्पूर्ण पैथोलॉजी
- एक्स रे
- ईसीजी जांच

हर वर्ष की भांति, इस वर्ष भी धाम का मेडिकल सेंटर निरंतर सक्रिय रहा और समाज सेवा के अपने संकल्प को और अधिक सशक्त रूप से आगे बढ़ाता रहा।

इसी सेवा भावना को साकार रूप देता है धाम का मेडिकल सेंटर, जो प्रतिदिन अनेक लोगों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर रहा है। यहाँ आने वाले मरीजों को न केवल चिकित्सा सुविधाएँ मिलती हैं, बल्कि उन्हें विश्वास, सहारा और आत्मीयता का अनुभव भी होता है।

वर्ष 2025-26 के दौरान, हमारे मेडिकल सेंटर के माध्यम से लगभग **25000 मरीजों** को निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएँ प्रदान की गईं, जो हमारी सतत सेवा यात्रा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

इन सेवाओं के माध्यम से धाम उन लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचाने का प्रयास करता है, जो आर्थिक या सामाजिक कारणों से उचित उपचार प्राप्त नहीं कर पाते। यहाँ सेवा का उद्देश्य केवल उपचार देना नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति को स्वस्थ, सक्षम और आत्मनिर्भर बनाना है।

अप्रैल 2022 से अब तक, हमारे मेडिकल सेंटर द्वारा लगभग 90,500 मरीजों को निःशुल्क एवं उच्च गुणवत्ता की चिकित्सा सेवाएँ प्रदान की जा चुकी हैं, जो समाज के स्वास्थ्य कल्याण के प्रति हमारी निरंतर प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

हमारे केंद्र में विभिन्न विशेषज्ञताओं के अनुभवी डॉक्टर उपलब्ध हैं, साथ ही आधुनिक डायग्नोस्टिक एवं पैथोलॉजी सुविधाएँ भी प्रदान की जाती हैं, जिससे मरीजों को एक ही स्थान पर समग्र चिकित्सा सेवा मिल सके।

महाराजा अग्रसेन मनोविकास सेवा केंद्र

श्री मुरारीलाल जी दीवान द्वारा निर्मित यह केंद्र मानसिक रूप से पिछड़े बच्चों के उपचार, प्रशिक्षित शिक्षकों की देखरेख में निःशुल्क शिक्षा एवं सेवा प्रदान कर रहा है।

हमारी सेवाएँ

- स्पीच एवं लैंग्वेज थेरेपी
- स्पेशल एजुकेशन प्रोग्राम
- योगा एवं इंटरएक्टिव खेल
- सामाजिक और स्वयं सहायता प्रशिक्षण
- खेल थेरेपी
- वर्ताओ सुधार प्रोग्राम
- साइक्रेटिक असेसमेंट
- क्लिनिकल असेसमेंट
- एजुकेशनल,वोकेशनल एवं प्री वोकेशनल असेसमेंट
- जेनेटिक परीक्षण जटिल समस्याओं के लिए

हमारे केंद्र में प्रतिदिन लगभग 85 विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा के साथ-साथ थैरेपी और गायन प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह प्रयास विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों को सशक्त बनाने और उनके समग्र विकास के लिए समर्पित है।

महाराजा अग्रसेन दिव्यांग सेवा केंद्र

श्री दीपक जी अग्रवाल द्वारा निर्मित, यह केंद्र दिव्यांग जनों को निःशुल्क कृत्रिम अंग (हाथ व पैर) प्रदान कर रहा है।

हमारी सेवाएँ

- घुटनों का उपचार
- कृत्रिम अंग हाथ एवं पैर
- व्हीलचेयर
- कैलिपर (कृत्रिम सहायक उपकरण)

इसकी व्यवस्थाएँ **महावीर सेवा सदन** के सानिध्य में होती हैं।
इस नेक कार्य के प्रायोजक **श्री ओम जालान** हैं।

हमारे धाम से अब तक लगभग 2700 मरीजों को नि:शुल्क कृत्रिम अंग एवं हाथ और पैर प्रदान किए जा चुके हैं। यह सेवा दिव्यांग जनों के जीवन में आत्मनिर्भरता और आशा लाने के उद्देश्य से निरंतर की जा रही है।

महाराजा अग्रसेन दिव्यांग सेवा

महाराजा अग्रसेन वाटिका

श्री निर्मल जी सराफ द्वारा निर्मित, इस उद्यान में पिकनिक एवं सामाजिक कार्यक्रम विभिन्न संस्थाओं द्वारा आयोजित किए जाते हैं।

The Place for Every Occasion!

महाराजा अग्रसेन धाम के अंतर्गत निर्मित

वाटिका - एक आदर्श पिकनिक स्पॉट

आपके अपने समाज के लिए एक अद्वितीय स्थान है, जहाँ सुविधा, सुकून और सेवा तीनों का मेल है।

विस्तृत हरी-भरी वाटिका
जहाँ बच्चे खेल सकते हैं और बड़े दिल खोलकर आराम कर सकते हैं।

2 विशाल हॉल
बैठकों, आयोजनों और ग्रुप गतिविधियों के लिए।

8 सुसज्जित कमरे
ठहरने और विश्राम के लिए।

सुसज्जित रसोईघर
स्वादिष्ट भोजन की तैयारी के लिए।

टेबल और कुर्सियाँ
आपके आयोजन को और सुविधाजनक बनाने के लिए।

महाराजा अग्रसेन वाटिका – जहाँ प्रकृति, सुविधा और अपनापन सब मिलता है।

MAHARAJA AGRASAIN VATIKA

PICNIC GATHERINGS, CORPORATE MEETING, ANNIVERSARY/BIRTHDAY CELEBRATION

or any other function, Maharaja Agrasain Vatika offers the perfect setting to bring your vision to life.

Our Facilities

- Fully Furnished Kitchen
- Delux Rooms
- Spacious Living Hall
- Greenery Garden Space 20 000 Sq. Ft
- Chairs & Table
- Parking
- Mandap for wedding
- 2000+ People Capacity

✓ Prime Location ✓ Versatile Spaces ✓ Tailored Packages

Visit/book Us! 79801 09085 maharajaagrasain@gmail.com

महाराजा अग्रसेन कौशल विकास केन्द्र

श्री श्याम सुंदर जी धानुका द्वारा निर्मित यह केंद्र 2024 से प्रारंभ हो गया है।

कौशल वही पूँजी है जो हर परिस्थिति में साथ रहती है—जब हुनर निखरता है, तो सफलता स्वयं राह बनाकर आती है।

Maharaja Agrasain – Mindmine College of Skill Education (MA–MCSE)

महाराजा अग्रसेन धाम ट्रस्ट और माइंडमाइन इंस्टीट्यूट फॉर स्किल ट्रेनिंग सोसाइटी के संयुक्त सहयोग से स्थापित महाराजा अग्रसेन - माइंडमाइन कॉलेज ऑफ स्किल एजुकेशन (MA-MCSE) एक आधुनिक और प्रगतिशील शैक्षणिक संस्थान है, जिसका उद्देश्य युवाओं को रोजगारोन्मुख कौशल प्रदान करना है।

यह संस्थान वर्ष 2024 में प्रारंभ हुआ, जब देश और विश्व में कौशल आधारित शिक्षा की आवश्यकता तेजी से बढ़ रही है। बदलते समय और उद्योगों की मांग को ध्यान में रखते हुए, MA-MCSE छात्रों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि व्यावहारिक और उद्योग-संबंधित प्रशिक्षण भी प्रदान करता है।

कॉलेज का मुख्य उद्देश्य छात्रों को इस प्रकार प्रशिक्षित करना है कि वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनें। यहां पर पाठ्यक्रम इस तरह से तैयार किए गए हैं कि वे आधुनिक उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप हों, जिससे छात्रों को बेहतर रोजगार अवसर प्राप्त हो सकें।

MA-MCSE में शिक्षा का केंद्र बिंदु है –

कौशल विकास (Skill Development)
व्यावहारिक प्रशिक्षण (Practical Learning)
उद्योगों के साथ जुड़ाव (Industry Exposure)

यह संस्थान छात्रों को न केवल तकनीकी दक्षता प्रदान करता है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाने पर भी विशेष ध्यान देता है। अनुभवी और समर्पित शिक्षकों की टीम विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करती है, जिससे वे अपने करियर में नई ऊंचाइयों को छू सकें।

माइंडमाइन इंस्टीट्यूट, जो 1998 से कौशल प्रशिक्षण के क्षेत्र में अग्रणी रहा है, इस कॉलेज के साथ जुड़कर इसे और भी सशक्त बनाता है। इसके अनुभव और विशेषज्ञता के कारण, MA-MCSE में प्रशिक्षण की गुणवत्ता उच्च स्तर की है।

आज के प्रतिस्पर्धी युग में, केवल डिग्री पर्याप्त नहीं है, कौशल ही सफलता की कुंजी है। MA-MCSE इसी सोच के साथ कार्य कर रहा है, ताकि छात्र अपने सपनों को साकार कर सकें और समाज तथा राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

समाज के युवाओं और महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु **Maharaja Agrasain – Mindmine College of Skill Education (MA–MCSE)** के साथ साझेदारी में

COURSES AVAILABLE:

School of Paramedical Science

- Medical Lab Technology
- X-Ray & Radiology
- Optometry
- OT Technology
- Dialysis Technology
- Physiotherapy
- Patient Care Management

(Assistant Nursing / GDA / Public Health Care)

School of Design Technology

- Fashion Designing
- Jewellery Designing
- Designing with DTP / AutoCAD

School of Management Studies

- Retail Management
- Office & Accounts (Banking) Management
- Travel & Tourism Management
- Logistics & Supply Chain Management
- Hospital Management

School of Professional Studies & IT

- Multimedia & Animation
- Office Automation & Web Designing
- Journalism & Mass Communication
- E-Commerce & Digital Marketing

जो छात्र-छात्राएँ इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेना चाहते हैं या अधिक जानकारी प्राप्त करना चाहते हैं, वे नीचे दिए गए संपर्क माध्यमों से जुड़ सकते हैं। यह सभी के लिए खुला अवसर है।

+91 7980109085 | agrasainmindminecollege@gmail.com

अग्रकुल देवी महालक्ष्मी मंदिर

03 दिसंबर 2022 में भूमि पूजन संपन्न हुआ, निर्माण कार्य प्रारंभ।
इसका निर्माण पूरे समाज के सहयोग से किया जा रहा है।

महालक्ष्मी जी को धन, ऐश्वर्य और समृद्धि की अधिष्ठात्री देवी माना जाता है। इस मंदिर का निर्माण समाज की इस भावना को दर्शाता है कि जब हम सब मिलकर भक्ति और सेवा में योगदान करते हैं, तो आस्था और संस्कार की धारा आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचती है।

यह मंदिर आधुनिक वास्तुकला और पारंपरिक शैली का संगम होगा, जिसमें भक्तजन शांति, सकारात्मक ऊर्जा और दिव्यता का अनुभव करेंगे। यहाँ होने वाले धार्मिक आयोजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम समाज को और अधिक जोड़ेंगे तथा सामूहिक प्रगति का मार्ग प्रशस्त करेंगे।

हम सभी से निवेदन है कि इस पवित्र निर्माण कार्य में अपनी भागीदारी निभाएँ और इस ऐतिहासिक पहल को सफल बनाने में योगदान करें।

महालक्ष्मी मंदिर केवल ईंट और पत्थरों से नहीं, बल्कि पूरे समाज की श्रद्धा और सहयोग से बनेगा।

महाराजा अग्रसेन वरिष्ठ नागरिक निकेत

03 दिसंबर 2022, भूमि पूजन संपन्न, निर्माण कार्य प्रारंभ |
श्री भगवान दास जी अग्रवाल द्वारा निर्माण कार्य प्रगति पर है।

एक ऐसा पावन आँगन, जहाँ रिश्ते केवल बनते ही नहीं, बल्कि विश्वास और स्नेह से जीवनभर निभाए जाते हैं।

महाराजा अग्रसेन धाम की परियोजनाएं

महाराजा अग्रसेन प्राकृतिक चिकित्सालय एवं योग केंद्र

03 दिसंबर 2022, भूमि पूजन संपन्न, निर्माण कार्य प्रारंभ |
श्री ओम जी जालान द्वारा निर्माण कराया जा रहा है।

महाराजा अग्रसेन विद्यालय

03 दिसंबर 2022, भूमि पूजन संपन्न, निर्माण कार्य प्रारंभ |
श्री दिनेश जी - विवेक जी अडुकिया द्वारा निर्माण कराया जा रहा है।

जहाँ शिक्षा के साथ संस्कारों की ज्योति प्रज्वलित होती है, वही सच्चे अर्थों में विद्यालय कहलाता है।

महाराजा अग्रसेन गोशाला

03 दिसंबर 2022, भूमि पूजन संपन्न, निर्माण कार्य प्रारंभ |
श्री बिनोद जी - श्याम जी अग्रवाल द्वारा निर्माण कराया जा रहा है।

महाराजा अग्रसेन हवेली

समस्त **अग्रवाल समाज** द्वारा हवेली का निर्माण कार्य प्रारंभ होने जा रहा है, जो सेवा, संस्कृति और समरसता का प्रतीक बनेगा।

महाराजा अग्रसेन विवाह भवन

रिश्ते कम बनाइए लेकिन उन्हें दिल से निभाइए, क्योंकि अक्सर लोग बेहतर की तलाश में बेहतरीन खो देते हैं

The Legacy of Maharaja Agrasain: A GUIDE FOR THE YOUNG AGARWAL GENERATION

In every community, there are certain ideals and values that shape its identity across generations. For the Agarwal community, the teachings and vision of Maharaja Agrasain continue to serve as a guiding light even today. His principles of equality, entrepreneurship, compassion, and social responsibility remain deeply relevant, especially for the younger generation navigating a rapidly changing world.

Maharaja Agrasain was not only a great king but also a visionary social reformer. His famous principle of “Ek Eent, Ek Rupiya” (One Brick, One Rupee) symbolized the spirit of collective progress and mutual support. Whenever a new family came to settle in his kingdom, every member of the society contributed one brick and one rupee to help them build their home and livelihood. This simple yet powerful idea reflected a progressive society where prosperity was shared and no one was left behind.

For today’s youth, this principle carries an important message. In an age where competition often dominates thinking, Maharaja Agrasain’s philosophy reminds us that true success lies in uplifting others along with ourselves. When individuals grow together as a community, the entire society becomes stronger.

The Agarwal community has long been known for its strong entrepreneurial spirit. From traditional trade and industry to modern sectors such as finance, technology, medicine, and civil services, Agarwals have consistently contributed to the nation’s growth. This success is rooted in values such as integrity, hard work, foresight, and a willingness to take responsibility.

However, the legacy of Maharaja Agrasain is not limited to business success alone. It also emphasizes charity, service, and social responsibility. Across the country, Agarwal institutions, trusts, and charitable organizations continue to provide support through hospitals, schools, community centers, and welfare initiatives. These efforts reflect the belief that prosperity gains meaning only when it is shared with society.

For the young generation, the challenge today is to balance modern ambitions with timeless values. The world offers countless opportunities higher education, global careers, technological innovation, and entrepreneurship. Yet, while embracing modernity, it is equally important to stay connected to the principles that have guided the community for centuries.

Youth participation in social and community activities plays a crucial role in this journey. By engaging with institutions, volunteering for social causes, supporting educational initiatives, or contributing to community development, young Agarwals can continue the tradition of service that Maharaja Agrasain envisioned.

Another important aspect of this legacy is leadership. Leadership does not merely mean holding positions of authority; it means taking initiative, creating opportunities, and inspiring others through example. Whether in professional life or community service, young individuals who lead with integrity and compassion strengthen not only their own future but also that of society.

The story of Maharaja Agrasain teaches us that a strong community is built on cooperation, respect, and shared responsibility. As the world moves forward with new challenges and possibilities, these values remain more relevant than ever.

For the young Agarwal generation, the message is clear: pursue your dreams, explore new horizons, and achieve excellence in every field but always remember the ideals that define our heritage. By combining modern knowledge with the timeless principles of Maharaja Agrasain, the youth can shape a future that is prosperous, compassionate, and socially responsible.

The legacy of Maharaja Agrasain is not merely a story from history; it is a living inspiration. And it is now in the hands of the younger generation to carry this legacy forward with pride, purpose, and dedication.

महाराजा अग्रसेन धाम

गठबंधन

अग्रसेन समाज मैट्रिमोनी

जय अग्रसेन ! जय अग्रवाल!

आज के समय में योग्य वर-वधु के लिए उपयुक्त जीवनसाथी की खोज करना परिवारों के लिए चुनौतीपूर्ण बनता जा रहा है। अलग-अलग स्रोतों में सही जानकारी न मिलना, समय और साधनों की कमी तथा परिवारों के बीच आपसी संवाद का अभाव इस समस्या को और भी बढ़ा देता है।

इसी दिशा में महाराजा अग्रसेन धाम प्रस्तुत कर रहा है – "गठबंधन" – एक विशेष वैवाहिक योजना, जो हमारे समाज के लिए आज की आवश्यकता है।

अग्रसेन समाज मैट्रिमोनी आपके द्वारा दी गई सभी जानकारियाँ पूर्णतः गोपनीय रखी जाएँगी, और केवल छांटे गए व सत्यापित बायोडाटा ही परिवार तक पहुँचाए जाएँगे। लड़के और लड़कियों के बायोडाटा का आदान-प्रदान केवल आवश्यकता और सहमति के आधार पर किया जाएगा तथा प्रत्येक प्रोफ़ाइल को पूर्ण अनुसंधान और जाँच-परख के बाद ही आगे बढ़ाया जाएगा।

हमारा विश्वास है कि इस पहल से समाज में पारदर्शिता, गरिमा और विश्वास के साथ विवाह की सही परंपरा को पुनः स्थापित किया जा सकेगा।

अपना बायोडाटा हमें Watsapp करें या E-mail करें

Mobile: +91 79801 09085, **E-mail**: maharajaagrasain@gmail.com

Glimpses of construction work going on at Dham, Bagnan

हमारे संस्थान द्वारा विभिन्न निर्माण कार्यों को निरंतर प्रगति के साथ पूरा किया जा रहा है। इस क्रम में **Varist Nagrik Niket का निर्माण** कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है, जो जल्द ही सेवा हेतु तैयार होगा। यह स्थान वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक सुरक्षित, शांत और सुविधाजनक वातावरण प्रदान करेगा।

इसके साथ ही **विद्यालय के मुख्य प्रवेश द्वार (School Gate)** का निर्माण कार्य भी सफलतापूर्वक संपन्न किया गया है, जिससे परिसर की सुंदरता और सुरक्षा दोनों में वृद्धि हुई है।

इसके अतिरिक्त, परिसर की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए **बाउंड्री वॉल (Boundary Wall)** का निर्माण कार्य भी किया गया है, जो संस्थान की संरचना को और अधिक व्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाता है। इन सभी निर्माण कार्यों के माध्यम से हमारा उद्देश्य समाज को बेहतर सुविधाएं प्रदान करना और एक सुदृढ़ एवं सुव्यवस्थित वातावरण का निर्माण करना है।

महाराजा अग्रसेन वरिष्ठ नागरिक निकेत
निर्माता : श्री भगवान दास अग्रवाल

॥ ॐ ॥

आइए, समाज की सेवा में भागीदार बनें

"हम सबका धाम — हमारा गर्व"

महाराजा अग्रसेन धाम न केवल एक भवन है, बल्कि अग्रवाल समाज की एकता, संस्कृति और सेवा भावना का प्रतीक है। इस धाम के सतत विकास में आपकी भागीदारी—चाहे समय से हो, सेवा से हो या सहयोग से—हमारे भविष्य की नींव को और मजबूत करती है।

- आप आजीवन सदस्य बन सकते हैं
- आप किसी सेवा कार्य में भाग ले सकते हैं
- आप किसी आयोजन या निर्माण कार्य में आर्थिक सहयोग देकर अपना योगदान दे सकते हैं

यह एक अवसर है—समाज से जुड़ने का, योगदान देने का और नई पीढ़ी के लिए मिसाल बनने का।

सभी दानदाता को आयकर अधिनियम की धारा 80G के अंतर्गत छूट उपलब्ध है,
और
CSR के अंतर्गत कंपनियां भी सहयोग कर सकती हैं।

धाम का विकास, आपकी भागीदारी से और भी मजबूत होगा।

महाराजा अग्रसेन धाम में एक भव्य 'अग्रकुल महालक्ष्मी मंदिर' के निर्माण का शुभ कार्य प्रगति पर है। यह मंदिर केवल एक भवन नहीं, बल्कि हमारे सांस्कृतिक गर्व, एकता और श्रद्धा का प्रतीक हैं — हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक आध्यात्मिक धरोहर बनेगा।

हम आपको ससम्मान आमंत्रित करते हैं — इस पुण्य कार्य में अपनी भागीदारी दर्ज कराएं।
आपका सहयोग एक दान नहीं, एक धरोहर है...

अधिक जानकारी हेतु हमसे संपर्क करें:

+91 79801 09085 | maharajaagrasain@gmail.com

"आपकी श्रद्धा – आपकी पहचान – आपकी विरासत"
मिलकर रचें एक गौरवशाली इतिहास।

MAHARAJA AGRASAIN UPSC ACADEMY

ADMISSIONS OPEN UPSC CSE 2027-28

Delhi's Top Faculties Now in Kolkata

BATCH DETAILS

For Graduate Students
- **Regular Batch**
  (Monday to Friday)

For College Going Students
- **Foundation Batch**
  (Saturday & Sunday)

KEY FEATURES

- Comprehensive Study Materials
- Test Series & Answer Writing Practice
- One-on-One Mentorship
- AI based Progress Tracking
- Integrated Prelims + Mains Preparation
- Library Facility Available

Free Demo Classes

Limited Seats- Early Registration Recommended

CALL US
8282964165

maharajaagrasainupscacademy@gmail.com

Om Tower, 32 Chowringee Road, 2nd Floor,
Park Street, Kolkata- 700071

Visiting Hours - 11:30 am to 6:30 pm

महाराजा अग्रसेन UPSC अकादमी: नई दिशा, नया दृष्टिकोण, सशक्त भविष्य

शिक्षा, सेवा और समाज उत्थान के अपने निरंतर प्रयासों के अंतर्गत महाराजा अग्रसेन धाम ने एक दूरदर्शी पहल करते हुए “महाराजा अग्रसेन UPSC अकादमी” की स्थापना की है। यह पहल विशेष रूप से युवाओं को पारंपरिक करियर विकल्पों से आगे बढ़कर ऐसे मार्ग चुनने के लिए प्रेरित करती है, जो उन्हें न केवल व्यक्तिगत सफलता प्रदान करें, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी सार्थक योगदान देने का अवसर दें।

इस अकादमी की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि यहाँ विद्यार्थियों को दिल्ली के शीर्ष (Top) अनुभवी फैकल्टी का मार्गदर्शन प्राप्त होगा, जिससे उन्हें Delhi में उपलब्ध उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा अब अपने ही शहर में मिल सकेगी।

आज के बदलते समय में, जब अवसरों का दायरा लगातार बढ़ रहा है, यह आवश्यक हो जाता है कि युवा केवल सुरक्षित विकल्पों तक सीमित न रहें, बल्कि अपने सामर्थ्य और रुचि के अनुसार व्यापक संभावनाओं को पहचानें। सिविल सेवा ऐसा ही एक क्षेत्र है, जहाँ नेतृत्व, जिम्मेदारी और सेवा का संगम होता है।

केवल कोचिंग नहीं, नेतृत्व का निर्माण

महाराजा अग्रसेन UPSC अकादमी की दृष्टि केवल परीक्षा में सफलता तक सीमित नहीं है। इसका उद्देश्य ऐसे युवाओं का निर्माण करना है, जो नैतिक, अनुशासित और सामाजिक रूप से उत्तरदायी प्रशासक बन सकें।

महाराजा अग्रसेन जी के आदर्श समानता, सहयोग और समाज सेवा से प्रेरित यह अकादमी विद्यार्थियों में केवल ज्ञान ही नहीं, बल्कि कर्तव्यबोध और नेतृत्व क्षमता का विकास करना चाहती है।

जागरूकता से उपलब्धि तक

इस अकादमी के प्रमुख उद्देश्य हैं:

- UPSC सिविल सेवा के प्रति जागरूकता बढ़ाना
- विद्यार्थियों को संगठित मार्गदर्शन और मेंटरशिप प्रदान करना
- युवाओं को विविध एवं सार्थक करियर विकल्पों की ओर प्रेरित करना
- विद्यार्थियों मेंअनुशासन, स्पष्टता और दीर्घकालिक दृष्टि विकसित करना
- विशेष रूप से अग्रवाल समाज सहित सभी वर्गों के युवाओं को राष्ट्र निर्माण में भागीदारी के लिए प्रेरित करना

What Happens After You Crack the UPSC? Let These Real-Life Stories Answer

"Why do thousands spend years in silent rooms, chasing a single dream? Is it just for a title, or is it for the power to rewrite reality?"

P. Narahari, IAS: When Vision Becomes a Path they say power resides in the chair, but P. Narahari proved that power is best used to move the chairs of others. By pioneering wheelchair-friendly infrastructure, he didn't just build ramps; he unlocked the world for millions who were once confined by physical barriers. This is the impact of an officer your signature doesn't just pass a file; it restores dignity and ensures that no citizen is left behind.

Across the hall of fame, a single gesture captures the heartbeat of the nation. When **IPS N. Venkateswarlu** raises his hand to salute his daughter, **IAS N. Uma Harathi**, it shows ultimate tribute to her grit. In that silent salute lies years of shared struggles and a father's unwavering belief. Cracking the UPSC doesn't just change your rank; it creates a moment where even your hero bows to your hard work, turning a family's dream into a national legacy.

करियर के नए आयाम: पारंपरिक सीमाओं से आगे

हमारे समाज में वर्षों से अनेक विद्यार्थी स्वाभाविक रूप से चार्टर्ड अकाउंटेंसी (CA) और व्यापार जैसे क्षेत्रों की ओर अग्रसर होते रहे हैं। यह क्षेत्र आज भी अत्यंत महत्वपूर्ण और सम्मानजनक हैं, किन्तु बदलते समय के साथ करियर के विकल्पों को व्यापक दृष्टि से देखना आवश्यक है।

सिविल सेवा ऐसा मंच है जहाँ व्यक्ति सीधे तौर पर नीति निर्माण, प्रशासन और समाज के विकास में योगदान देता है। अतः यह आवश्यक है कि विद्यार्थी प्रारंभिक स्तर पर ही इन अवसरों को समझें और अपने करियर का चयन रुचि, क्षमता और समाज सेवा की भावना के आधार पर करें।

शैक्षणिक विशेषताएँ: संरचित, आधुनिक और मार्गदर्शन आधारित

महाराजा अग्रसेन UPSC अकादमी एक समग्र और सुव्यवस्थित शैक्षणिक प्रणाली प्रदान करती है, जो सिविल सेवा परीक्षा की आवश्यकताओं के अनुरूप है। यहाँ दिल्ली के शीर्ष फैकल्टी का मार्गदर्शन विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाली तैयारी का अनुभव प्रदान करता है:

- Prelims, Mains और Interview की समग्र तैयारी
- दिल्ली के अनुभवी और शीर्ष शिक्षकों द्वारा अध्यापन
- उत्तर लेखन (Answer Writing) और विश्लेषणात्मक सोच पर विशेष ध्यान
- नियमित टेस्ट सीरीज़ और प्रदर्शन विश्लेषण
- करंट अफेयर्स का स्टेटिक विषयों के साथ समन्वय
- AI आधारित शैक्षणिक प्रणाली और प्रदर्शन ट्रैकिंग
- प्रत्येक छात्र के लिए व्यक्तिगत मेंटरशिप और मार्गदर्शन

यह समन्वित और आधुनिक दृष्टिकोण विद्यार्थियों को न केवल परीक्षा के लिए तैयार करता है, बल्कि उन्हें एक विचारशील और सक्षम प्रशासक बनने की दिशा में भी अग्रसर करता है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अब आपके निकट

इस पहल की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सुगमता (Accessibility) है।

आर्थिक सुगमता
अकादमी का उद्देश्य एक सुलभ शुल्क संरचना बनाए रखना है, साथ ही छात्रवृत्ति और सामुदायिक सहयोग के माध्यम से यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी योग्य विद्यार्थी केवल आर्थिक कारणों से पीछे न रह जाए।
स्थान का लाभ – पार्क स्ट्रीट, कोलकाता
अकादमी का स्थान पार्क स्ट्रीट, कोलकाता में है, जो शहर का एक प्रमुख और सुगम क्षेत्र है:

- उत्कृष्ट परिवहन सुविधा
- सुरक्षित और शैक्षणिक वातावरण
- छात्रों के लिए अत्यंत सुविधाजनक पहुँच

साथ ही, कोलकाता पूर्वी भारत (बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और उत्तर-पूर्व) के छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र है। इस पहल के माध्यम से छात्रों को दिल्ली जैसे महंगे शहरों में जाने की आवश्यकता नहीं होगी, और तैयारी अधिक सुव्यवस्थित, किफायती और केंद्रित हो सकेगी।

पात्रता और दृष्टिकोण

अकादमी में प्रवेश उन सभी छात्रों के लिए खुला है जो गंभीरता और समर्पण के साथ तैयारी करना चाहते हैं।

यहाँ प्राथमिकता दी जाती है:

- निरंतरता और अनुशासन
- सीखने की इच्छा
- दीर्घकालिक लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता

विशेषता: हमारी अलग पहचान

महाराजा अग्रसेन UPSC अकादमी की विशेषताएँ इसे अन्य संस्थानों से अलग बनाती हैं:

- महाराजा अग्रसेन धाम के मूल्यों और विश्वास का समर्थन
- दिल्ली-स्तरीय शिक्षण गुणवत्ता का स्थानीय उपलब्धता
- भीड़-भाड़ वाली कोचिंग के स्थान पर व्यक्तिगत मार्गदर्शन
- तकनीक और पारंपरिक शिक्षा का समन्वय
- एकसमाज-केन्द्रित और उद्देश्यपूर्ण पहल

समाज और राष्ट्र के लिए एक महत्वपूर्ण कदम

यह पहल केवल एक अकादमी नहीं, बल्कि समाज को प्रशासन और नेतृत्व के क्षेत्र में सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

महाराजा अग्रसेन UPSC अकादमी एक साधारण संस्थान नहीं, बल्कि एक दृष्टि और संकल्प का प्रतीक है। सही मार्गदर्शन, उच्च गुणवत्ता वाले फैकल्टी और सामुदायिक समर्थन के साथ यह पहल एक सशक्त आंदोलन का रूप ले सकती है।

“जब युवाओं को सही दिशा और श्रेष्ठ मार्गदर्शन मिलता है, तो वे केवल सफलता नहीं पाते वे इतिहास बनाते हैं।”

8282964165
maharajaagrasainupscacademy@gmail.com
Om Tower, 32 Chowringee Road, Near Park Street Metro,
Kolkata- 700071

सत्यमेव जयते

UPSC CSE

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
CIVIL SERVICES EXAMINATION

A PRESTIGIOUS EXAM. A NOBLE PURPOSE.
SERVE THE NATION. SHAPE THE FUTURE.

UPSC CSE is one of India's most prestigious and competitive examinations conducted for recruitment to top civil services like IAS, IPS, IFS, IRS and more. It offers an opportunity to serve the nation through administration, policy making, law enforcement, diplomacy and public welfare.

ELIGIBILITY

- A candidate must hold a **graduation degree** from a recognized university.
- The minimum age is **21 years.**
- The upper age limit is generally **32 years** for General category candidates.
- Age relaxation is applicable for reserved categories as per government rules.
- Final-year graduation students can also appear in the Preliminary Examination.

STAGES OF THE EXAMINATION

1 PRELIMINARY (OBJECTIVE TYPE)

Consists of two papers – General Studies and CSAT.

It is a screening test for selection to the Mains Examination.

2 MAIN EXAMINATION (DESCRIPTIVE TYPE)

Includes essay writing, General Studies papers, optional subject papers and language papers.

This stage tests analytical ability, conceptual clarity, writing skills and depth of understanding.

3 PERSONALITY TEST (INTERVIEW)

Conducted by a UPSC board to assess a candidate's personality, decision-making ability, leadership qualities, communication skills and suitability for public service.

★ DEMANDS OF THE EXAMINATION ★

- Strong conceptual understanding across diverse subjects
- Regular newspaper reading and current affairs awareness
- Analytical and critical thinking ability
- Effective answer writing and communication skills
- Emotional resilience, time management and perseverence
- Discipline, patience and consistent hard work

Success in UPSC CSE is not just about knowledge, but about dedication, clarity of purpose and the ability to remain consistent over a long journey.

DREAM • PREPARE • PERSIST • ACHIEVE

DEDICATION
DISCIPLINE
DETERMINATION
DESTINATION

Our Faculties

Mr Manish Kumar

Director & Faculty,
Geography & EVS

CA Rahul Kumar

Director and Faculty,
DAIDEMY IAS
Commerce and Accountancy
(Optional)

Mr Gajanan Dwivedi

Faculty, History
Ex-Rau's IAS/
Tathastu ICS

Mr Abhishek Gautam

Faculty, Economy
Drishti IAS, Delhi

Mr Srikant Bhagat

Faculty:KGS
Ethics ,Integrity &
Aptitude and Indian Polity

Ms Tejal Khandelwal

Faculty :
Unacademy/Lukman IAS
PSIR (Optional),Indian
Polity, IR, Governance

Mr Yogendra Sharma

Faculty, Science &
Technology, Drishti IAS

Mr Abhishek Shukla

Faculty, Economy &
Internal Security,
BYJU's

Mr Akkem Somasekhar

Faculty, History
Shankar IAS, Delhi

Mr Rajesh Mishra

Faculty, CSAT
Vision IAS, Delhi

Know Your Faculties

We present to you a team of experts whose knowledge and experience in the industry are exceptional.

Mr Manish Kumar

Director & Faculty, Geography & EVS

Manish Kumar Sir is a B.Tech graduate from NIT Jamshedpur with 4 years of industrial exposure and a strong foundation in academics, leadership, and strategic mentoring. With 10 years of experience at Drishti IAS and RICE IAS, as Geography Faculty (Optional and GS), he has guided and inspired numerous aspirants, including toppers like Rishita Das (IPS), Tamali Saha (IFoS), and Pemba Narbu Sherpa (CAPF). Known for his structured approach, academic excellence, and student-centric mentorship, he is committed to shaping future civil servants with clarity, discipline, and purpose.

Rahul Kumar Sir is a distinguished Chartered Accountant (CA), mentor, and civil services educator with expertise in Commerce & Accountancy, Management, and Indian Economy. An executive alumnus of IIM Calcutta with strong experience in UPSC preparation and academic mentoring, he has guided 100+ toppers across UPSC and allied examinations including CSE 2023 AIR-1 Aditya Srivastava and CSE 2025 AIR-03 Akansh Dhull . Currently serving as Director & senior faculty at DIADEMY IAS, Delhi, he is known for his conceptual clarity, strategic mentorship, and result-oriented teaching approach.

CA Rahul Kumar

Director and Faculty, DAIDEMY IAS
Commerce and Accountancy (Optional)

Mr Gajanan Dwivedi

Faculty, History
Ex-Rau's IAS/ Tathastu ICS

Gajanan Dwivedi Sir is a distinguished History faculty with over 13 years of teaching experience at Rau's IAS Study Circle and Tathastu ICS, specializing in History Optional and General Studies. A former Assistant Central Intelligence Officer in the Intelligence Bureau, he transitioned from government service to academics, driven by his passion for teaching. Having mentored 150+ GS batches and created the popular History Simplified YouTube series with 80+ videos, he is known for making History engaging, analytical, and exam-oriented.

Mr Abhishek Gautam

Faculty, Economy
Drishti IAS, Delhi

Abhishek Gautam Sir is a seasoned mentor, faculty, and academic leader with over 15 years of engagement in civil services preparation. Specializing in Indian Economy, Political Science & International Relations, and interview mentorship, he has been associated with reputed institutions such as Drishti IAS and RICE Group, Kolkata, where he served as Academic Head cum Project Director. With a strong background in academics, editorial leadership, and strategic program development, he is known for building impactful learning ecosystems, simplifying complex concepts, and guiding aspirants with clarity, discipline, and exam-oriented mentorship toward UPSC success.

Srikant Bhagat Sir is a distinguished academician and senior faculty with over 18 years of teaching and training experience in civil services preparation. Specializing in Public Administration, Indian Constitution & Polity, Governance, and Ethics, Integrity & Aptitude, he has been associated with reputed institutes such as SUNYA IAS, Shriram's IAS, KSG IAS, and Dhyeya IAS. A scholar, author, motivator, and former Chief Mentor & Director, he is known for his conceptual clarity, analytical teaching style, and ability to connect theory with real-world governance issues, helping aspirants build strong foundations for UPSC success.

Mr Srikant Bhagat

Faculty:KGS
Ethics ,Integrity &
Aptitude and Indian Polity

Ms Tejal Khandelwal

Faculty, Unacademy /
Lukman IAS
PSIR (Optional),Indian Polity,
IR, Governance

Tejal Khandelwal Ma'am is a dynamic educator, lecturer, and mentor with over 7+ years of experience in civil services preparation, specializing in Political Science & International Relations (PSIR), Indian Polity, and International Relations. Having worked with reputed institutes such as Shankar IAS, Edukemy, Unacademy, Level Up IAS, and Lukmaan IAS, she is known for her structured teaching methodology, answer-writing mentorship, and exam-oriented guidance. With a strong academic background in Political Science and expertise in current affairs analysis, public speaking, and student mentoring. She has helped aspirants build clarity, confidence, and strategic preparation for UPSC CSE.

Yogendra Sharma Sir is a highly accomplished educator and academic mentor with an M.Tech from IIT Roorkee and over 8 years of experience in UPSC CSE. Specializing in Sociology Optional, Science & Technology, and Ecology & Environment, he has been associated with reputed institutes such as Drishti IAS, Allen IAS, BYJU'S IAS, Chanakya IAS Academy, and EXAMINISTRY Civil Services. Known for his analytical teaching style, strong academic planning, and student-centric mentorship, he effectively bridges technical knowledge with conceptual clarity, helping aspirants build a strong and strategic foundation for competitive examinations.

Mr Yogendra Sharma

Faculty, Science &
Technology, Drishti IAS

Mr Abhishek Shukla

Faculty, Economy & Internal Security, BYJU's

Abhishek Shukla Sir is a versatile educator, mentor, and academic strategist with a strong foundation in engineering and management, holding a B.Tech in Electronics & Communication Engineering from Manipal Institute of Technology and an Executive MBA from IIM Calcutta. With nearly a decade of experience in civil services education, he specializes in Economy, Internal Security, and Social Issues. Having worked with reputed institutes such as BYJU'S, Forum IAS, and Sri Chaitanya, he is known for simplifying complex subjects, strategic curriculum development, and result-oriented mentorship, helping aspirants build clarity, confidence, and a competitive edge for UPSC preparation.

Akkem Somasekhar Sir is a highly accomplished History faculty with a strong academic background in B.Tech (ECE) and over 9 years of teaching experience across leading Delhi coaching institutes, including Diademy IAS, Shankar IAS Academy, Ensure IAS, and The IAS Mentor. Specializing in History Optional, GS History, and Art & Culture, he combines deep subject expertise with an analytical and exam-oriented teaching approach. Having guided numerous aspirants with clarity and conceptual depth, he is known for simplifying complex historical perspectives and helping students build a strong foundation for civil services preparation.

Mr Akkem Somasekhar

Faculty, History Shankar IAS, Delhi

Mr Rajesh Mishra

Faculty, CSAT Vision IAS, Delhi

Rajesh Mishra Sir is an accomplished educator, mentor, and academic leader with over 13 years of experience in competitive exam preparation. Specializing in Quantitative Aptitude, UPSC CSAT, SSC, CAT, GRE, GMAT, and placement examinations, he has trained and mentored more than 15,000 aspirants across reputed institutions such as Vision IAS, Khan Study Group, SPIPA, Career Launcher, and Shashwat IAS Academy. With a strong background in academic leadership as Course Director and Academics Director, he is known for his analytical teaching approach, strategic mentoring, and ability to simplify aptitude-based problem solving, helping students build confidence and excel in competitive examinations.

शीलं परमं भूषणम्

शील ही सबसे बड़ा आभूषण है

Character is the highest virtue

सत्यमेव जयते

UPSC

Some Evidence of the Abilities

Rishita Das
IPS 2024

Akansh Dhull
AIR 03 UPSC 2025

Jayant Garg
AIR 64 UPSC 2025

Aakriti Singla
AIR 122 UPSC 2025

Commerce and Accountancy (Optional) Students

Akansh Dhull
AIR 03 UPSC CSE 2025
Commerce & Accountancy optional

Jayant Garg
AIR 64 UPSC CSE 2025
Commerce & Accountancy optional

Sakshi Jain
AIR 37 UPSC CSE 2025
Commerce & Accountancy optional

Gaurav Chopra
AIR 83 UPSC CSE 2025
B.com from Delhi University

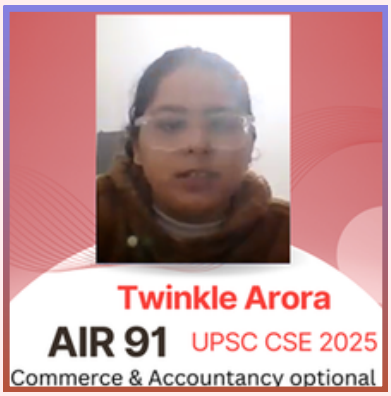

Twinkle Arora
AIR 91 UPSC CSE 2025
Commerce & Accountancy optional

Aakriti Singla
AIR 122 UPSC CSE 2025
Commerce & Accountancy optional

Pankaj Soni
AIR 130 UPSC CSE 2025
Commerce & Accountancy optional

Saurabh Sharma
AIR 146 UPSC CSE 2025
Commerce & Accountancy optional

Lakshay Agarwal
AIR 164 UPSC CSE 2025
Commerce & Accountancy optional

Akshat Balkiwal
AIR 219 UPSC CSE 2025
Commerce & Accountancy optional

Harsh Santosh Lodha
AIR 261 UPSC CSE 2025
Commerce & Accountancy optional

Shravan Mundra
AIR 275 UPSC CSE 2025
Commerce & Accountancy optional

Our Agarwal Community's Trailblazers in Civil Services

Shri Manoj Kumar Agarwal, I.A.S

Shri Bhagwati Prasad (BP) Gopalika, I.A.S

Shri Madhav Agarwal, I.A.S

Shri Nitin Singhania, I.A.S

Smt. Ankita Agarwal, I.A.S

Shri Rahul Saraf, I.R.S

Start Your UPSC Journey Today

BATCH DETAILS

For Graduate Students
- Regular Batch
  (Monday to Friday)

For College Going Students
- Foundation Batch
  (Saturday & Sunday)

KEY FEATURES

- Comprehensive Study Materials
- Test Series & Answer Writing Practice
- One-on-One Mentorship
- AI based Progress Tracking
- Integrated Prelims + Mains Preparation
- Library Facility Available

Register for

Free Demo Class

***Free Counseling Session ***

Scholarship for Meritorious Students

Scan Here to Register

MAHARAJA AGRASAIN UPSC ACADEMY

Where Aspirations Meet Preparation

Admission Open

Start your IAS/IPS/IRS preparation with Delhi's Top Faculties in Kolkata

Maharaja Agrasain Dham

Om Tower, 32, J L Nehru Road, Room No 202, Kolkata-700071
Mobile: +91 79801 09085, **E-mail**: maharajaagrasain@gmail.com

Follow us on

youtube.com/@maharajaagrasaindham4562

facebook.com/maharajaagrasain

https://www.instagram.com/maharajaagrasaindham/

Website: www.maharajaagrasaindham.com

MAHARAJA AGRASAIN UPSC ACADEMY

Om Tower, 32, J L Nehru Road, Room No 202, Kolkata-700071
Mobile: +91 8282964165, **E-mail**: maharajaagrasainupscacademy@gmail.com

Follow us on:

/upscbyagrasain/

/upscbyagrasain/

/in/upscbyagrasain/

MaharajaAgrasain UPSCAcademy

t.me/UPSCByAgrasain

Website: https://upsc.maharajaagrasaindham.com/

प्रकाशक: श्री निर्मल सराफ (महाराजा अग्रसेन धाम की ओर से) || **मुद्रक:** दर्पण कॉन्क्लेव प्राइवेट लिमिटेड (श्री मुकेश गोयल)

Designed, Edited, and Strategized by Shilpa Agarwal | Creative Head